● राउरकेला, भुवनेश्वर, नयी दिल्ली, जमशेदपुर, रांची और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

उम्मीदों की नयी सुबह

आम आदमी के साथ

उत्कल मेल



● वर्ष : 28 ● अंक : 270 ● RNI No 69057 / 98 भुवनेश्वर, बुधवार 11 नवंबर 2026 ● पृष्ठ 08, ● मूल्य: 2/- ● e-paper : www.utkalmailtv.com●

ओडिशा में एमबीपी के तहत 5 लाख से ज्यादा नए बेनिफिशियरी जुड़े, मुख्यमंत्री ने यूपीएमपी लॉन्च किया

बालेश्वर (ओडिशा): मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को राज्य की सोशल सिक्योरिटी पेंशन स्कीम के पूरी तरह से सैचुरेशन की घोषणा करते हुए कहा कि मधु बाबू पेंशन योजना (ट्इढ) के तहत 5.05 लाख से ज्यादा नए बेनिफिशियरी लाए गए हैं, जिससे बेनिफिशियरी की कुल संख्या 41.80 लाख से ज्यादा हो गई है।माझी ने यूनिफाइड पेंशन मैनेजमेंट पोर्टल (वढटढ) भी लॉन्च किया, जिसका मकसद पेंशन एप्लीकेशन और डिस्बर्समेंट प्रोसेस को आसान, तेज और ज्यादा ट्रांसपेरेंट बनाना है। बालेश्वर में रिजर्व पुलिस लाइन ग्राउंड में एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल किए गए बजटीय कमिटमेंट को पूरा करने के लिए स्कीम में 5,05,817 अतिरिक्त योग्य बेनिफिशियरी शामिल किए गए हैं।उन्होंने कहा कि नए लोगों को शामिल करने के साथ, मधु बाबू पेंशन योजना के तहत बेनिफिशियरी की कुल संख्या बढ़कर 41,80,825 हो गई है, जिससे स्कीम पूरी तरह से सैचुरेशन हो गई





है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने राज्य और जिला दोनों लेवल पर एक फिक्स्ड कोटा सिस्टम फॉलो किया था, जिसके तहत एक एलिजिबल एप्लीकेंट को पेंशन तभी मिल सकती थी जब मौजूदा बेनिफिशियरी की मौत हो जाती थी और कोई वैकेंसी होती थी।इस सिस्टम को असंवेदनशील और अमानवीय बताते हुए, माझी ने कहा कि उनकी सरकार ने कोटा-बेस्ड सिस्टम को खत्म कर दिया है ताकि यह पक्का हो सके कि कोई भी एलिजिबल सीनियर सिटिजन, विधवा, बेसहारा व्यक्ति या विकलांग व्यक्ति सोशल सिक्योरिटी बेनिफिट्स से वंचित न रहे।उन्होंने कहा कि पांच लाख से ज्यादा एक्स्ट्रा बेनिफिशियरी को शामिल करने से लगभग फ्र 625 करोड़ का एक्स्ट्रा सालाना खर्च आएगा।यह बताते हुए कि सरकार अलग-अलग वेलफेयर स्कीम्स पर काफी पैसा खर्च करती है, माझी ने कहा कि फ्र 500-600 करोड़ के लिए बुजुर्ग नागरिकों को उनके हक के बेनिफिट्स से मना करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि इस खर्च को उनके वेलफेयर और सम्मान में इन्वेस्टमेंट के तौर पर देखा जाना चाहिए। नए लॉन्च हुए वढटढ के तहत, योग्य लोग पेंशन बेनिफिट्स के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं या अपने पास के जन सेवा केंद्र या ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के ऑफिस में अपनी एप्लीकेशन जमा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि एप्लीकेशन जमा करने के ठीक अगले महीने से पेंशन पेमेंट रेगुलर शुरू हो जाएगी।उन्होंने यह भी घोषणा की कि 80 साल की उम्र होने के बाद बेनिफिशियरी को 3,500 रुपये की बढ़ी हुई मंथली पेंशन पाने के लिए नए एप्लीकेशन जमा करने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि तय उम्र पूरी होने के बाद बदली हुई रकम अपने आप अप्लाई हो जाएगी। नए एनरोल हुए बेनिफिशियरी को अक्टूबर और नवंबर की पेंशन एक साथ मिलेगी। 11 से 13 नवंबर तक डिस्ट्रिक्ट लेवल पर डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम होंगे, उसके बाद 18 से 20 नवंबर तक ब्लॉक लेवल पर प्रोग्राम होंगे। जो लोग इन प्रोग्राम के दौरान अपनी पेंशन नहीं ले पाएंगे, वे 25 नवंबर को अपनी-अपनी ग्राम पंचायत या म्युनिसिपैलिटी ऑफिस से कैश में रकम ले सकते हैं। दिसंबर से, हर महीने की 15 तारीख को रेगुलर पेंशन दी जाएगी।प्रोग्राम के दौरान, मुख्यमंत्री ने बालेश्वर ज़िले में 78 करोड़ रुपये के 28 डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया और 262 करोड़ रुपये के 42 प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। इन प्रोजेक्ट्स में कुल मिलाकर लगभग 340 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट शामिल है।कई बेनिफिशियरीज को सीधे मुख्यमंत्री से पेंशन की मदद मिली। इनमें बालेश्वर सदर से अमूल्य आचार्य और फूलमणि मरांडी, रेमुना से शिवा सिंह और जयंती साहू, नीलगिरी से प्रफुल्ल नायक और हिरण दास, और नीलगिरी ठअउ से गायत्री बेहरा और गजेंद्र महापात्रा शामिल थे।माझी ने राज्य के सोशल सिक्योरिटी और दिव्यांग लोगों के एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट द्वारा तैयार मधु बाबू पेंशन योजना के लिए एक अवेयरनेस कैंपेन गाड़ी का भी उद्घाटन किया। डिप्टी चीफ मिनिस्टर पार्वती परिदा, जिनके पास महिला और बाल विकास और टूरिज्म डिपार्टमेंट भी हैं, ने कहा कि सरकार महिलाओं को एम्पावर करने और उन्हें सिर्फ. वेलफेयर स्कीम्स का बेनिफिशियरी बने रहने के बजाय एंटरप्रेन्योर के तौर पर उभरने में मदद करने के लिए कमिटेड है।उन्होंने कहा कि सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स (रल्त्रह्र) में छोटे और मीडियम बिजनेस की ग्रोथ को बढ़ावा देने की क्षमता है और भरोसा दिलाया कि सरकार यह पक्का करेगी कि बेनिफिशियरी को बिना किसी फालतू देरी के उनका सही हक मिले।सोशल सिक्योरिटी और दिव्यांग लोगों के एम्पावरमेंट और स्कूल और मास एजुकेशन मिनिस्टर नित्यानंद गोंड ने कहा कि पेंशन सिर्फ फाइनेंशियल मदद नहीं है, बल्कि यह इज्जत, आत्म-सम्मान और सोशल सिक्योरिटी पक्का करने का एक तरीका भी है।उन्होंने कहा कि सरकार सीनियर सिटिजन, विधवाओं, बेसहारा लोगों और दिव्यांग लोगों को रेगुलर महीने में पेंशन देने को प्राथमिकता दे रही है।बालेश्वर के ठढ प्रताप चंद्र सारंगी ने इस मौके को जिले के लिए एक अहम पल बताया और पेंशन बांटने के प्रोग्राम में मुख्यमंत्री के शामिल होने का स्वागत किया।

वहां मौजूद लोगों में हाउसिंग और अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्टर कृष्ण भी थे।

ओडिशा ने गंजम में साइक्लोन के बाद सिंचाई और बाढ़ से बचाव के इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने का काम तेज किया

भुवनेश्वरः ओडिशा सरकार ने गंजम ज़िले में खराब सिंचाई नहरों, नदी के किनारों और बाढ़ से बचाव के इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने का काम तेज कर दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 71 जगहों पर मरम्मत का काम पूरा हो गया है और 49 दूसरी जगहों पर मरम्मत का काम चल रहा है।डिपार्टमेंट ऑफ वॉटर रिसोर्सेज (उह्वहफ) ने ज़िले भर में सिंचाई सेवाओं को ठीक करने और बाढ़ से खराब हुए इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने के लिए कई जरूरी काम किए हैं। एक ऑफिशियल रिलीज के मुताबिक, कई जरूरी सिंचाई नहरों से पानी की सप्लाई फिर से शुरू हो गई है, जिससे किसानों और प्रभावित समुदायों को राहत मिली है।एक बड़े



डेवलपमेंट में, इमरजेंसी मरम्मत के काम के बाद घोड़ाहाड़ा सिंचाई प्रोजेक्ट की दाईं और बाईं दोनों मुख्य नहरों से सिंचाई के पानी की सप्लाई फिर से शुरू हो गई है। दाहा दाईं डिस्ट्रीब्यूटरी से खरीफ पानी की सप्लाई भी ठीक कर दी गई है।

जयमंगल इरिगेशन सिस्टम में, टूटे हुए हिस्सों की टेम्परारी मरम्मत से मेन कैनाल के 12.5 ' तक 3.5 थ्ब्ब्२ पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। इसी तरह, माधबरीदा एनीकट की गिरिसोला और महानदी कैनाल से सिंचाई सप्लाई फिर से शुरू हो गई है। एनीकट अब सहसपुर गांव की ओर 26 ' तक पानी सप्लाई कर रहा है।

ईपीएफओ सीबीटी मीटिंग 19 नवंबर को, मिनिमम ईपीएस पेंशन को 3,000 रुपये करने पर चर्चा

नई दिल्लीः एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (एढत्रह्र) 19 नवंबर को नेशनल कैपिटल में अपनी 240वीं सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (उइळ) मीटिंग करने वाला है। पेंशनर्स और सैलरी पाने वाले एम्प्लॉई इस डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखेंगे। ऐसी खबरें हैं कि सरकार एम्प्लॉइज पेंशन स्कीम (एढर) के तहत मिनिमम मंथली पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने पर विचार कर सकती है।यह मीटिंग, जो पहले गुजरात के गिर में होने वाली थी, अब नेशनल कैपिटल में एढत्रह्र ??के हेडक्वार्टर में शिफ्ट कर दी गई है।उइळ मेंबर्स को भेजी गई जानकारी के मुताबिक, मीटिंग 19 नवंबर को सुबह 10:15 बजे शुरू होगी।पेंशन में बढ़ोतरी की



अटकलों ने तब जोर पकड़ लिया जब ऐसी खबरें आईं कि लेबर मिनिस्ट्री ने फाइनेंस मिनिस्ट्री से सलाह-मशविरा करने के बाद, मिनिमम एढर पेंशन को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति महीना करने का फैसला किया है। हालांकि, न तो लेबर और एम्प्लॉयमेंट मिनिस्ट्री और न ही फाइनेंस मिनिस्ट्री ने इस प्रपोजल को ऑफिशियली कन्फर्म किया है।इस वजह से, पेंशनर्स को किसी भी बढ़ोतरी को फाइनल मानने से पहले फॉर्मल अनाउंसमेंट का इंतजार करना होगा।

सितंबर 2014 से एढर के तहत मिनिमम मंथली पेंशन 1,000 रुपये पर वैसी ही बनी हुई है।

इस बदलाव को उइळ ने फरवरी 2014 में मंजूरी दी थी, 2014-15 के यूनियन बजट में इसकी घोषणा की गई थी, और उसी साल अगस्त में सरकार ने इसे फॉर्मली नोटिफाई किया था।

पिछले कुछ सालों में, एम्प्लॉई यूनियन और पेंशनर्स के ऑर्गनाइजेशन ने मिनिमम पेंशन अमाउंट में बार-बार बड़ी बढ़ोतरी की मांग की है, यह तर्क देते हुए कि मौजूदा पेमेंट बढ़ती महंगाई को पूरा करने के लिए काफी नहीं है।कई ग्रुप्स ने महंगाई, हेल्थकेयर खर्च और रिटायर्ड कर्मचारियों की फाइनेंशियल जरूरतों का हवाला देते हुए मिनिमम मंथली पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग की है। एम्प्लॉई पेंशन स्कीम एक सोशल सिक्योरिटी प्रोग्राम है जिसे एढत्रह्र ??ऑर्गनाइज्ड सेक्टर के कर्मचारियों के लिए चलाता है। इसे एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड में एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन के एक हिस्से से फाइनेंस किया जाता है।

मौजूदा फ्रेमवर्क के तहत, एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन का 8.33 परसेंट पेंशन स्कीम में दिया जाता है, जो लागू वेज सीलिंग के अधीन है।एढर के तहत पेंशन बेनिफिट्स कर्मचारी की पेंशनेबल सैलरी और एलिजिबल सर्विस की अवधि के आधार पर तय किए जाते हैं।हालांकि यह स्कीम मिनिमम पेंशन तय करती है, लेकिन पेमेंट की जाने वाली रकम की कोई तय ऊपरी लिमिट नहीं है, फाइनल पेंशन किसी व्यक्ति के कंट्रीब्यूशन हिस्ट्री और सर्विस के समय के अनुसार अलग-अलग होती है।

अंजम बाढ़: नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार की गलतियों पर निशाना साधा, पुनर्वास की मांग की

भुवनेश्वरः विपक्ष के नेता और बीजू जनता दल (इखऊ) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने गंजम जिले में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए तुरंत राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के उपायों की मांग की है।उन्होंने बाढ़ की स्थिति से निपटने में राज्य सरकार की कथित लापरवाही और कमियों के लिए जवाबदेही तय करने की भी मांग की है।10 नवंबर को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को लिखे एक पत्र में, पटनायक ने 7 नवंबर को बाढ़ प्रभावित इलाकों के अपने दौरे के दौरान हिंजिली, शेरागड़ा, असिका और सोराडा में लोगों को हो रही मुश्किलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसानों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों और समाज के अलग-अलग तबके के लोगों से बातचीत की, जिन्हें बाढ़ के कारण काफी नुकसान हुआ है।तबाही के लेवल पर चिंता जताते हुए, पटनायक ने कहा कि बाढ़ से इंफ्रास्ट्रक्चर, फसलों, रोजी-रोटी और प्रॉपर्टी को बहुत नुकसान हुआ है, साथ ही जानें भी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लापरवाही और कम तैयारी ने हालात और खराब कर दिए हैं और जिले को कई साल पीछे धकेल दिया है।इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट (क्टऊ) की 23 अक्टूबर को जारी की गई पहले से चेतावनी का ज़िक्र



करते हुए, पटनायक ने सरकार की तैयारियों और डैम से पानी छोड़ने के समय पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी बारिश से पहले सही मात्रा में पानी छोड़ने के बजाय, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट ने तेज साइक्लोनिक बारिश शुरू होने के बाद डैम के गेट खोल दिए, जिससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई।उन्होंने आगे कहा कि लोगों ने डैम के गेट खोलने से पहले सही चेतावनी न मिलने की शिकायत की थी। स्थिति को इंसानों का बनाया संकट बताते हुए, पटनायक ने कथित गलतियों के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इखऊ प्रेसिडेंट ने मौसम की पहले से चेतावनी के बावजूद बाढ़ के लिए तैयारी करने में कथित नाकामी के लिए भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को गंजम में भारी बारिश का पहले से अंदाजा लगा लेना चाहिए था, क्योंकि ज़िला साइक्लोनिक मौसम की स्थिति के प्रति कमजोर है।

जेठानी सोनिया गांधी ने देवरानी मेनका गांधी के खोले राज, गांधी परिवार में मची महाभारत!

गांधी परिवार की सियासत में सत्ता की लड़ाई तो खूब देखी गई, लेकिन इस परिवार के भीतर देवरानी और जेठानी के रिश्ते में आई कड़वाहट की कहानी भी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। एक तरफ थीं राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी और दूसरी तरफ संजय गांधी से प्रेम विवाह कर गांधी परिवार की छोटी बहू बनीं मेनका गांधी। शुरूआत में दोनों के बीच अपनापन था, लेकिन वक्त के साथ यही रिश्ता तकरार, आरोपों और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की भेंट चढ़ गया। नौबत यहां तक पहुंची कि मेनका को इंदिरा गांधी का घर छोड़ना पड़ा। अब सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में इस पारिवारिक कलह के ऐसे-ऐसे किस्से उजागर किए हैं, जो गांधी परिवार के भीतर की उस कहानी को सामने लाते हैं, जिसे अब तक बंद दरवाजों के पीछे का मामला माना जाता रहा है। हम आपको बता दें कि संजय गांधी से प्रेम विवाह कर गांधी परिवार की छोटी बहू बनीं मेनका गांधी का इस परिवार से रिश्ता कैसे कड़वाहट और टकराव तक पहुंचा, इसकी कहानी सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में बयां की है। सोनिया ने किताब में पारिवारिक कलह, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, आपसी आरोप-प्रत्यारोप और अंततः मेनका के इंदिरा गांधी का घर छोड़ने के घटनाक्रम का उल्लेख किया है। उनके मुताबिक, 1973 के आखिरी महीनों में संजय गांधी और मेनका का परिचय हुआ था। इसके एक साल के भीतर दोनों की शादी हो गई और 18 साल की मेनका, गांधी परिवार का हिस्सा बन गईं। सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण ह्यबिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लवह्ल में एक ह्यह्यजोशीली और बातूनी लड़कीह्ल के गांधी परिवार की ह्यह्यछोटी बहूह्ल बनने से लेकर घरेलू और राजनीतिक मतभेदों के कारण रिश्तों में आई कड़वाहट तक का घटनाक्रम बयान किया है, जिसे आज के दौर में ह्यह्यरियलिटी शोह्ल कहा जा सकता है।उन्होंने किताब में लिखा है, ह्यह्यमेनका में काफी उत्साह था। शुरूआत में घर में एक



देवरानी का होना अच्छा लगा। लेकिन धीरे-धीरे माहौल बदलने लगा और घर में छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशानियां पैदा होने लगीं।ह्ल हार्परकॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित 526 पन्नों की इस किताब में सोनिया गांधी ने अपने जीवन के विभिन्न पड़ावों का जिक्र किया है। इसमें युद्ध के बाद के इटली में उनका बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में शादी, पति राजीव गांधी की हत्या और राजनीति में उनके प्रवेश की कहानी शामिल है। सोनिया लिखती हैं कि घर के कर्मचारी उन्हें ह्यह्यबहुरानीह्ल कहकर संबोधित करते थे। वह मेनका और खुद को घर की ह्यह्यबराबर की बेटियांह्ल मानती थीं और चाहती थीं कि दोनों के बीच पर्याप्त जगह और अपनापन बना रहे।उन्होंने लिखा, ह्यह्य...लेकिन शायद मेनका ने इसे खुद को कमतर समझे जाने के रूप में लिया। जब वह रूखाई से बात करतीं तो घर में शांति बनाए रखने के लिए मैं आमतौर पर चुप रह जाती थी, लेकिन जब मुझे लगता कि बात हद से आगे बढ़ गई है तो मैं भी उन्हें दो टूक जवाब देने से नहीं हिचकती थी।ह्ल शादी के कुछ ही समय बाद संजय और मेनका के बीच मतभेद परिवार के दूसरे सदस्यों के सामने आने लगे। दोनों के बीच बहस अधिक तेज और तीखी होने लगी थी। सोनिया लिखती हैं, ह्यह्यनाराज होने पर मेनका अपशब्दों का इस्तेमाल करती थीं, यहां तक कि मेरी सास के सामने भी। घर में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल वर्जित था। इससे संजय असहज हो जाते थे और हम सभी हैरान रह जाते थे। एक युवा लड़की के लिए संयुक्त परिवार में रहना आसान नहीं रहा होगा, खासकर तब जब उसका स्वभाव मिलनसार और लोगों से घुलने-मिलने वाला हो।पुस्तक के मुताबिक, जब मेनका संजय के साथ राजनीतिक समारोहों और कार्यक्रमों में जाने लगीं तो वह परिवार में कुछ हद तक सहज होती दिखाई दीं। सोनिया गांधी लिखती हैं कि संजय पर मेनका का प्रभाव उनके और राजीव के रिश्तों में भी दखल देने लगा था। कुछ महीने पहले तक एक-दूसरे के बेहद करीब रहने वाले दोनों भाइयों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई थी। आपातकाल के साथ संजय का नाम जुड़ने के बाद वह साक्षात्कारों में नौकरशाही की ह्यह्यधीमी कार्यप्रणालीह्ल पर अपनी राय जाहिर करने लगे थे। उनके कुछ विचारों को प्रधानमंत्री की आलोचना के तौर पर भी देखा जा सकता था। संजय की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को कांग्रेस के कुछ धड़ों का समर्थन मिलने लगा था। सोनिया के मुताबिक, इंदिरा को लगने लगा था कि मेनका संजय को समझाने के बजाय उन्हें उनकी गतिविधियों के लिए उकसा रही हैं। सोनिया लिखती हैं कि इंदिरा गांधी ने अपने तत्कालीन कैबिनेट सचिव पीएन धर से अपनी छोटी बहू के बारे में कहा था, ह्यह्यउसके अभी से पर निकलने लगे हैं।वर्ष 1978 के संसदीय चुनाव के बाद मेनका की परिवार के प्रति ह्यह्यवैमनस्यह्ल और बढ़ गया। राजीव का मानना था कि संजय ने चुनाव में कांग्रेस की करारी हार में बड़ी भूमिका निभाई थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने किताब में लिखा है, ह्यह्यउन्हें (राजीव) लगता था कि संजय की जिद, उतावलापन, बिना सोचे-समझे कार्यक्रम लागू करने की जल्दबाजी, अच्छी सलाह न मानने की प्रवृत्ति और कई मौकों पर अपनी मां की जानकारी के बिना काम करने से यह प्रतिकूल नतीजा सामने आया।ह्ल सोनिया एक पारिवारिक चर्चा का जिक्र करते हुए लिखती हैं कि उस दौरान राजीव ने संजय से बेहद नाराजगी में कहा था, ह्यह्यमैं तुम्हें माफ नहीं कर सकता, संजय। तुमने मां को इस हालत में पहुंचा दिया है।सोनिया के मुताबिक, उनकी सास इंदिरा गांधी भी परेशान और व्यथित थीं। उन्होंने राजीव की बात का समर्थन करते हुए कहा, ह्यह्यराजीव ने जो कहा है, वह सही है, संजय! तुमने कितनी बार मेरी जानकारी के बिना आदेश दिए।ह्ल इसी दौरान मेनका ने हस्तक्षेप किया। इस पर इंदिरा गांधी ने ऊंची आवाज में उन्हें चुनौती दी कि वह इन आरोपों को गलत साबित करें। मेनका तुरंत पीछे हट गईं, लेकिन परिवार के प्रति उनकी नाराजगी और बढ़ गई। सोनिया लिखती हैं कि मेनका की व्यंग्यात्मक टिप्पणियां लगातार परेशानी का कारण बनने लगी थीं।

उन्होंने लिखा, ह्यह्यजहां तक मेनका का सवाल था, हम उनके दुश्मन थे। वह उन पत्रकारों के जरिए हमारे बारे में कहानियां फैलाती थीं, जिनके संपर्क में वह थीं। हमें सबसे ज्यादा जिस बात से ठेस पहुंची, वह यह झूठा आरोप था कि चुनाव हारने के बाद राजीव और मैंने देश छोड़कर भागने की योजना बनाई थी।ह्ल उनका कहना है कि 23 जून, 1980 को एक विमान दुर्घटना में संजय गांधी की मौत के बाद हालात और गंभीर हो गए।सोनिया के मुताबिक, माना जाता था कि मेनका की मां संजय के समर्थकों को कांग्रेस में उनकी पत्नी के लिए राजनीतिक पद की मांग करने के वास्ते प्रोत्साहित कर रही थीं। लेकिन इंदिरा गांधी का मानना था कि 23 साल की मेनका अभी नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए बहुत छोटी और अपरिपक्व थीं। इसके अलावा, उनका तीन महीने का बच्चा था और उन्हें उसकी देखभाल करनी चाहिए थी। इंदिरा का मानना था कि मेनका को धैर्य रखना चाहिए और अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए उनके पास आगे पर्याप्त समय होगा।

छेंड पुलिस ने चोरी के एक मामले का किया पदार्फाश

दो चोर समेत एक खरीददार गिरफतार

राउरकेला : छेंड कालोनी के एलसीआर ५७२ में रहने वाले दीपक कुमार पानी के घर में नौ अक्टूबर २०२६ को चोरी की घटना घटी थी. श्री पाणी द्वारा छेंड थाने में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी थी. पुलिस ने थाना केश नंबर २३७ के तहत मामला दर्ज कर मामले की छानबीन आरंभ की गयी. छानबीन के क्रम में पुलिस ने तीन लोगों को गिरपर्तिार किया है. जिनका नाम क्रमशः सतेन्द्र कुमार (३६) निवासी धामरा बस्ती छेंड कालोनी, समिरन उर्फ नानक सिंह (२८) डेलीमार्कट रोजी होटल गलि में रहने वाला, विवेक प्रसाद (४५) होटल डिलक्स लेन में रहने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. इन लोगों द्वारा चोरी किये गये सोने के अलंकार में से कुछ मुथूट फाइनांस में जमा कर गोल्ड लोन लिया गया था. इसके साथ ही कुछ सोने के अलंकार विवेक प्रसाद के यहां बिक्री किया गया था. मुथुट फाईनांस से सोने के अलंकार को जब्त कर लिया है. इसके साथ ही विवेक प्रसाद को भी इस मामले में हिरासत में लेकर गहन पूछताछ करने के पश्चात तीन चोरों के साथ श्री प्रसाद को भी कोर्ट चालान किया गया. जहां से जमानत नहीं मिलने पर इन चारों को जेल हाजत जाना पड़ा. पुलिस ने पकड़े गये लोगों के पास से एक हीरो मेस्ट्रो स्कूटी क्रमांक ओडी १४एम-७२९२, एक सोने का हार लगभग ३०.७०० ग्राम, एक सोने



का हार लगभग १७.७१२ ग्राम, सिक्के के आकार में पिघला हुआ सोना लगभग ३० ग्राम, एक एचसीएल कंपनी का लैपटाप, एक होंडा साइन मोटर साईकिल क्रमांक ओडी १४टी-६०७८, एक ओपो मोबाईल फोन जब्त किया गया है. पुलिस ने इस गिरोह का पदार्फाश करने के लिए सीसी टीवी कैमरा, पुलिस की तकनीकी टीम आदि का सहारा लेकर इन्हें दबोचा गया है. आज आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उक्त जानकारी राउरकेला एसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहकर जानकारी प्रदान किये. पुलिस द्वारा कनक अलंकार के मालिक विवेक प्रसाद को गिरपर्तिार किये जाने को लेकर स्वर्ण व्यवसाईयों में असंतोष देखने को मिल रहा है.

व्यवसाईयों का कहना है कि लोग अपने घरों से पुराने सोने को लाते हैं और उसे बदलकर नया सोने के गहने ले जाते हैं. ऐसे में हम लोगों को यह पता लगाने में कठिन होता है कि यह सामग्री चोरी का है या उनका है. क्योंकि लोग यह कहते हैं कि घर का पुराना सोना है बिल इतने दिनों का कहां रखा गया है.

विधायक दुर्गा ने कुम्हारों को किया सम्मानित



राउरकेला: रघुनाथपल्ली विधायक और डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री दुर्गा चरण तांती ने बिश्रा चक से बांधमुंडा जाने वाली सड़क पर रहने वाले कुम्हारों को सम्मानित किया। चाहे मठ हो या मंदिर या आश्रम, यहां आने वाले भक्तों/श्रद्धालुओं की पूजा मिट्टी के दीये के बिना अधूरी है। इतना ही नहीं, कुम्हारों के हाथों से बने मिट्टी के दीये साल भर होने वाले अलग-अलग त्योहारों में बहुत जरूरी होते हैं। सर्दी हो, गर्मी हो या बारिश, कुम्हार साल भर लोगों की इस मांग को पूरा करने के लिए बिना थके काम करते हैं। समाज के प्रति अपना समर्पण दिखाने के लिए, रघुनाथपल्ली विधायक और डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग बोर्ड के चेयरमैन विधायक श्री दुर्गा तांती अपने समर्थकों के साथ बिश्रा-बंधमुंडा सड़क पर अपने परिवार के साथ रहने वाले हर कुम्हार के घर गए, घर के मुखिया को सम्मानित किया और उनकी सुविधाओं और समस्याओं के बारे में पूछा। इस दौरे के दौरान, उन्होंने कुम्हारों से हाथ मिलाया और कुछ मिट्टी के दीये बनाए जो मशीनों से बनते हैं।

सांईवेली परिसर में नर्सिंग के छात्र छात्राओं का स्वागत

प्रतिनिधि

कुआरमुंडा : जमुनानाकी अंचल में स्थित सांईवेली वर्ल्ड स्कूल परिसर में छात्र छात्राओंको प्लस टू के अलावे बीबीए, बीसीए की पढ़ाई करायी जा रही थी. इस वर्ष से नर्सिंग की पढ़ाई भी आरंभ हो गयी है. नर्सिंग के छात्र छात्राओंके लिए आज स्कूल परिसर में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया था. आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राउरकेला जिला पब्लिक हेल्थ अधिकारी श्रीमत पटनायक उपस्थित थे. श्री पटनायक ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर किया. उसके पश्चात उन्होंने उपस्थित छात्र छात्राओंको



संबोधित करते हुए कहा कि डाक्टर दवा देते हैं, परन्तु नर्सिंग कर्मचारी जीवन देते हैं. इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डा. शुभेन्द् ांडा, संस्थान के वाइस चेयरमेन कुणाल सा, चेयरमेन डा. ल्यूक्स नंदा, उपाध्यक्ष भगवान पाढ़ी उपस्थित थे. मंच का संचालन प्रोफेसर रिया मुखर्जी ने किया.

कालेज में नामांकन कराने वाले छात्रों के चेहरे पर काफी चमक देखने को मिल रही थी.

पांच साल की बच्ची से बलात्कार

देबगड़ाः देबगड़ा शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक गांव में रविवार को पांच साल की एक बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया. गंभीर रूप से घायल हुए बच्चे को पहले उन्नत उपचार के लिए विमसार, बुर्ला में स्थानांतरित करने से पहले देबगड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान देबगड़ा जिले के कुंडहीगोला थाना क्षेत्र के कालार्गा गांव निवासी गोलियाद के रूप में हुई है। खबरों के मुताबिक, गांव-गांव जाकर रजाई-सिलाई की सेवाएं देने वाला आरोपी रविवार को काम के सिलसिले में देबगड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले एक गांव में गया था। जब बच्ची घर पर अकेली थी तो उसने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना तब सामने आई जब लड़की की मां घर लौटी और उसे गंभीर हालत में पाया। वह तुरंत बच्चे को देबगड़ा डीएचएच ले गईं। हालाँकि, उसकी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, डॉक्टरों ने उसे विशेष उपचार के लिए श्क्टरअफ़ बुर्ला रेफर कर दिया।

8 नवंबर को पीड़िता की मां द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के बाद, देबगड़ा पुलिस ने बीएनएस की धारा 65(2) के साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला (561/26) दर्ज किया। बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और सोमवार को अदालत में भेज दिया गया।

तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर 27 से

प्रतिनिधि

राउरकेला : सिविल टाऊनशिप अंचल के त्रिशक्ति धाम परिसर में तीन दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन २७ नवंबर से शुरू होने जा रहा है. यह शिविर मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा, राउरकेला एवं त्रिशक्ति सेवा ट्रस्ट राउरकेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है. यह शिविर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति रांची के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है. इस शिविर में जिन लोगों को कृत्रिम अंग की जररूत हो आगामी २७ नवंबर तक अपना रजिस्ट्रेशन करा लें. इस शिविर में पहुंचने वाले लोगों के अंगों की नापी ली जायेगी. उसके पश्चात उसे तैयार कर प्रदान किया जायेगा. २९ नवंबर को इसके लिए भव्य



समारोह का आयोजन किया जायेगा.

इस शिविर में लोगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर, मैकेनिकल हाथ, बैशाखी, एल्बो स्टिक, वा@किंग स्टिक एवं ब्लाइंड स्टिक प्रसे में प्रदान किया जायेगा. शिविर में आने वाले जरूरतमंद लोगों के साथ उनके परिजनों को भी रहने खाने की व्यवस्था निःशुल्क प्रदान की जायेगी. आज आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जागृति शाखा की अध्यक्षा प्रभा अग्रवाल, अनामिका मित्तल, सचिव कंचन अग्रवाल, बबल गोयल, त्रिशक्ति धाम के सचिव श्याम बिहारी गोयल, अनिल मित्तल, कौशल अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, प्रतीक कयाल प्रमुख उपस्थित रहकर इस शिविर के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि ओड़शा के अलावे पडो]सी राज्य छत्तीसगढ़ एवं झारखंड से भी लोग पहुंचकर इस शिविर का लाभ उठाते हैं.

जरूरतमंद लोगों को निःसंकोच शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाने का आग्रह किया गया है.

कुआरमुंडा बाई पास पर ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

कुआरमुंडा : कुआरमुंडा नेशनल हाईवे 143 बाई पास पर कुआंरमुंडा चुटियाटोली सड़क पर एक अनजान युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी और युवक की वहीं मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, कल एक ट्रक गाड़ी नंबर ओडी 14जी 9315ने सड़क पार करते समय एक युवक को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर कुआंरमुंडा आउट पोस्ट के ओआईसी श्री प्रदीप कुमार साहू



और एएसआई श्रीकांत सिठा मौके पर पहुंचे और ट्रक को जब्त कर लिया और ड्राइवर और खलासी को थाने लाकर कोर्ट में केस दर्ज कराया। लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई।

आवारा कुत्तों से परेशान हैं शहरवासी

राउरकेला : स्मार्ट सिटी राउरकेला में इन दिनों आवारा कुत्तों के कारण शहर के लोग काफी परेशान हैं. आये दिन किसी न किसी स्थान से इन कुत्तों के काटने की खबरें आती रहती है. कुत्तों के काटने के पश्चात लोगों को अस्पताल का चक्कर इंजेक्शन के लिए काटना पड़ता है. जब बच्चे घर से स्कूल के लिए निकलते हैं और जबतक वापस नहीं लौटते परिजन चिंतित रहते हैं.

कोइडा में मिनरल टेस्टिंग के लिए नई लैब का उद्घाटन

कोइडा : मिनरल से भरपूर कोइडा माइनिंग एरिया में एक नई फैसिलिटी जोड़ी गई है। कोइडा माइनिंग ऑफिस परिसर में नई जियोलॉजिकल टेस्टिंग लैबोरेटरी बिल्डिंग का उद्घाटन 6 नवंबर, 2026 को डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइन्स बिभूति भूषण बेहरा ने किया।



उद्घाटन प्रोग्राम में माइनिंग ऑफिसर, माइनिंग इंस्पेक्टर समेत कोइडा माइनिंग ऑफिस के सभी कर्मचारी शामिल हुए। हालांकि कोइडा माइनिंग ऑफिस में माइनिंग से जुड़ी कई फैसिलिटी थीं, लेकिन मिनरल की टेस्टिंग के लिए इसकी अपनी लैबोरेटरी नहीं थी। इस वजह से, माइनिंग कंपनियों को मिनरल की क्वालिटी और केमिकल टेस्टिंग के लिए बडबिल, जोडा और राउरकेला जैसे इलाकों की लैबोरेटरी पर निर्भर रहना पड़ता था। नई लैबोरेटरी मिनरल की क्वालिटी और कंपोजिशन के बारे में सही जानकारी देगी और माइनिंग कंपनियों का समय और खर्च कम करेगी। शुरूआत में, मुख्य रूप से आयरन ओर और मैंगनीज ओर के सैंपल की केमिकल टेस्टिंग की जाएगी।

उम्मीद है कि कोइडा जैसे बड़े माइनिंग एरिया में इस लैब के बनने से मिनरल टेस्टिंग सिस्टम को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

राजस्थान परिषद का दीपावली स्नेह मिलन भव्य रूप से मनाया गया

राउरकेला :राजस्थान परिषद का दीपावली से स्नेह मिलन 2026 भव्य रूप से अमर भवन परिसर में शाम 7 बजे से मनाया गया जिसमें राजस्थान परिषद हरियाणा नागरिक संघ महाराजा अग्रसेन सेवा संघ के तत्वाधान में संयुक्त रूप से मनाया गया जिसमें तीनों संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण परिवार के साथ शामिल हुए सर्वप्रथम भगवान गणेश जी के मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें राजस्थान परिषद के संरक्षक गोपाल बगड़िया अध्यक्ष जगदीश हरित हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष एडवोकेट संजय अग्रवाल महाराजा अग्रसेन सेवा संघ के अध्यक्ष पूरणमल अग्रवाल समेत राजस्थान परिषद के संरक्षक समिति सदस्य सतीश अजमेरा सुरेश केजरीवाल पूर्व अध्यक्ष संतोष पारीक बद्री नारायण महेश्वरी मांगीलाल बोथरा तरुण मालानी संतोष अग्रवाल शैलेंद्र मारोठिया जुगल किशोर मारोठिया परिषद के उपाध्यक्ष विनोद नरेड़ी पवन गेडिया सचिव मनीष तोदी कोषाध्यक्ष नटवर बगड़िया शह कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल सहसचिव विनय शर्मा सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक किशन अग्रवाल महिला संयोजक हेमा शर्मा समेत विभिन्न संगठन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्य एवं कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे इस मौके पर सभी लोगों ने एक दूसरे को दीपावली मिलन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी इसके बाद कोलकाता से आए कलाकारों के द्वारा राजस्थानी नित्य भगवान राम की झांकी एवं गीत प्रस्तुत किया गया .

आरएसपी ने अक्टूबर में 3.56 लाख टन बिक्री योग्य इस्पात का डिस्पैच किया

प्रतिनिधि

राउरकेला : सेल के राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने अक्टूबर 2026 में कुल 3,55,852 टन बिक्री योग्य इस्पात का डिस्पैच दर्ज किया। इसमें प्रत्यक्ष डिस्पैच की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत रही। प्रत्यक्ष डिस्पैच 3,01,502 टन रहा, जबकि निर्यात 6,906 टन दर्ज किया गया। प्रत्यक्ष डिस्पैच और निर्यात को मिलाकर माह के कुल डिस्पैच में इनका योगदान लगभग 87 प्रतिशत रहा।

प्रत्यक्ष आपूर्ति की इस मजबूत हिस्सेदारी से संयंत्र से सीधे ग्राहकों तक इस्पात पहुंचाने पर केंद्रित ग्राहक-उन्मुख कार्यप्रणाली का महत्व स्पष्ट होता है। यह उपलब्धि मिलों, उत्पादन योजना एवं नियंत्रण विभाग, केंद्रीय विपणन





संगठन (सीएमओ) तथा लॉजिस्टिक्स संचालन के बीच घनिष्ठ समन्वय के परिणामस्वरूप संभव हुई।

डिस्पैच योजना को ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया। ऑर्डर की समय पर तैयारी, परिवहन की समयबद्ध व्यवस्था तथा डिलीवरी की नियमित निगरानी को प्राथमिकता देने से मध्यवर्ती स्टॉकयार्ड में हैंडलिंग पर निर्भरता कम हुई और इन्वेंटरी प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिली।

माह की एक प्रमुख उपलब्धि न्यू प्लेट मिल (एनपीएम) द्वारा स्थापना के बाद से अब तक का सर्वाधिक कुल डिस्पैच और सड़क मार्ग से सर्वाधिक डिस्पैच दर्ज करना रहा। एनपीएम ने कुल 1,01,322 टन इस्पात का डिस्पैच किया, जिसमें 17,285 टन सड़क मार्ग से भेजा गया। उत्पादवार डिस्पैच में एचआर कॉइल 1,73,014 टन के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एनपीएम प्लेट्स 1,01,322 टन और पीएम प्लेट्स 44,225 टन का स्थान रहा।

इस्पात की ढुलाई में रेल की प्रमुख भूमिका बनी रही। रेल मार्ग से 3,02,274 टन तथा सड़क मार्ग से 53,578 टन इस्पात का डिस्पैच किया गया। निर्यात में 5,713 टन एचआर कॉइल, 1,155 टन एनपीएम प्लेट्स तथा 38 टन एचआर प्लेट्स शामिल रहे।

माह के दौरान एनपीएम में 9,000 टन और पीएम में 1,100 टन स्टॉक में भी कमी दर्ज की गई, जिसने संयंत्र के समग्र डिस्पैच प्रदर्शन को और मजबूत बनाया।

देशी शराब भट्टी खोलने के विरूद्ध धरना जारी



राउरकेला : राज्य सरकार द्वारा राउरकेला में देशी शराब की भट्टी खोलने का निर्णय लिया गया है. इसकी सूचना मिलने पर राउरकेला महानगर निगम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन जारी है. कहा जा रहा है कि राउरकेला में ऐसे ही देशी विदेशी शराब की बिक्री जोरों पर है. जिसके सेवन कर लोग असमय मौत को गले लगा रहे हैं. ऊपर से सरकार द्वारा यदि देशी शराब की भट्टी चलाने के लिए लाइसेंस प्रदान कर दिया गया तो इसका खामियाजा शहर के लोगों को भुगतना पड़ सकता है. पांचवे दिन धरना जारी है. राज्य सरकार से शीघ्र इस मामले में अपने निर्णय को वापस लेने की मांग की गयी है. कहा जा रहा है कि राउरकेला में पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ एवं झारखंड से नकली देशी व विदेशी शराब पहुंच रहा है.

जो सस्ते दरों पर शहर के होटलों एवं ढाबों में बेचा जा रहा है. इसका सेवन कर लोग असमय मौत को गले लगा रहे हैं.

धमतरी पुलिस का 'ऑपरेशन निश्चय': हेरोइन की अवैध बिक्री करते 03 तस्कर गिरफ्तार,15 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त



*विक्रांत शर्मा

धमतरीः पुलिस अधीक्षक धमतरी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध *ह्यऑपरेशन निश्चयह्ल* के तहत लगातार सख्त एवं प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली एवं स्पेशल टीम की संयुक्त कार्यवाही में हेरोइन (चिट्टा) की अवैध बिक्री में संलिप्त तीन युवकों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।दिनांक 07.11.2026 को स्पेशल टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि सोरिद नगर स्थित शीतला मंदिर के पास कुछ युवक हेरोइन (चिट्टा) रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर तत्काल संयुक्त पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 15 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), जिसकी अनुमानित कीमत 3,00,000/-रुपए है , बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों का पूरा नाम एवं पताः

(01) केशव उर्फ बब्लू सोनी, उम्र 24 वर्ष, निवासी रिसाई पारा, कोडेमल धर्मशाला के सामने, जिला धमतरी (छत्तीसगढ़)।

(02) शुभम सोनी, उम्र 19 वर्ष, निवासी जोधापुर वार्ड, डाकबंगला वार्ड, शंकर नगर, जिला धमतरी (छत्तीसगढ़)।

(03) आशुतोष उर्फ आशु तिवारी, उम्र 25 वर्ष, निवासी आमा तालाब रोड, इंडोर स्टेडियम के पास, जिला धमतरी (छत्तीसगढ़)।

15 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 9,000/- नगद बिक्री रकम, 01 इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, 03 एंड्रॉइड मोबाइल फोन (ओप्पो एवं रियलमी) तथा 02 लाइटर सहित कुल लगभग 3,53,520/- रुपए का मशरूका जब्त किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर मामले में कथित मुख्य सप्लायर की संलिप्तता सामने आई है। पुलिस टीम द्वारा उसकी पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में नारकोटिक्स एक्ट की धारा 21(इ) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को माननीय विशेष न्यायालय (एनडीपीएस) के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

धमतरी पुलिस की अपीलः नशा युवाओं के भविष्य एवं समाज के लिए गंभीर खतरा है। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। नशामुक्त धमतरी के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें।

दीपावली बाजार, धनतेरस के बाद आज भी गुलजार रहा '

धमतरीः सोना - चांदी, बर्तन - कपडे, ऑटो मोबाईल - इलेक्ट्रोनिक, मिठाईया, फटाके, और पूजा सामग्री की खूब बिक्री हुई ' बच्चों, महिलाओ नें उल्लास पूर्वक, फटाके, चलाये ' शहर और ग्रामीण क्षेत्र में हरसोल्लास के साथ दीपावली मनाई गईं '

शराफा कारोबारी और चेबर ऑफ कामर्स के पूर्व अध्यक्ष महेश जासूजा नें बताया की धनतेरस और दीवाली में करोडो रु का बिजनेस हुआ ' सोना -चांदी के आभूषनो की बिक्री ऑटोमोबाईस, इलेक्ट्रोनिक सामानो, फ्रिज, टीवी,





वासिंग मशीन, मोबाईल आदि की भी अच्छी खरीद फरोख्त हुई ' उन्होने बताया की कलेक्टर अविनाश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक भावना पांडे द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था, यातायात व्यवस्था के साथ, शांति, सुरक्षा, कानून व्यवस्था सराहनीय रही ' दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में मनाई गईं ' गौमाता की पूजा कर, खिचड़ी का प्रसाद बाटा गया '

जुआरियों पर बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक, जुआ खेलते 7 आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार



छत्तीसगढ़. धमतरीः पुलिस ने दिवाली के मौके पर जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सोरिया वार्ड में जुआ फड़ पर दबीश दी. जहां से 52 परियों पर लाखों रुपये के दांवे लगाते 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं 3 लाख रुपये से ज्यादा कैश और ताश की पत्ती जब्त किया गया है. पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सोरिद वार्ड के एक घर में जुएं का फड़ सजा हुआ है. इस पर पुलिस की टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारा. इस दौरान 7 लोग लाखों रुपये के साथ जुआ खेलते पकड़े गए. मौके से 3 लाख 9 हजार रुपये बरामद किया गया. ' धमतरी पुलिस की जुआं के खिलाफ अबतक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है. फिलहाल पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ जुआं अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है. पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है. गिरफ्तार जुआरियो के नाम पुरुषोत्तम महावर, धमतरी उमेश देवांगन, धमतरी भोलाराम साहू, धमतरी कमलेश गोयल, धमतरी मनीष उर्फ मनोज राठी, धमतरी गोपाल उर्फ छोटू साहू, धमतरी संतोष शर्मा, धमतरी

पांच बड़े त्योहार, लाखों की चहल-पहल! रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने ऐसे संभाली व्यवस्था

रायपुरः रायपुर कमिश्नरेट के गठन के बाद होली ,गणेशोत्सव, नवरात्रि, दशहरा जैसे प्रमुख पर्व बिना किसी बड़ी घटना के शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए थे। अब धनतेरस एव लक्ष्मी पूजा भी शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ है। इन आयोजनों के दौरान किसी बड़ी अप्रिय घटना, गंभीर दुर्घटना अथवा बड़ी संपत्ति एवं शरीर संबंधी आपराधिक घटना घटित नहीं हुई है। रायपुर कमिश्नरेट की यह पहली दीपावली थी। इस अवसर पर नागरिकों की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्योहारों के काफी पहले से व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई थीं। संभावित भीड़, यातायात के दबाव एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से रायपुर कमिश्नरेट द्वारा लगातार प्रभावी प्रतिबंधात्मक



कार्यवाहियां भी की जाती रहीं। चाकूबाजी एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों तथा अवैध रूप से चाकू एवं अन्य हथियार रखने वालों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। गुंडा-बदमाशों, आदतन अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की लगातार चेकिंग कर उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई तथा आवश्यकतानुसार वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इन सतत प्रयासों से आपराधिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा त्योहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। इस वर्ष धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शहर के प्रमुख बाजारों एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में अपेक्षा से अधिक भीड़ एवं नागरिकों की भारी आवाजाही देखने को मिली। इसके बावजूद पुलिस की मुस्तैदी एवं बेहतर प्रबंधन के चलते बाजारों में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रही। प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई। लगातार पेट्रोलिंग, पैदल गश्त एवं सतत निगरानी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी गई तथा संदिग्ध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी गई। त्योहारी भीड़ के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती, आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन एवं पार्किंग व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों एवं व्यापारियों के आवागमन को सुगम बनाया गया। महिला सुरक्षा एवं आम नागरिकों की सुविधा को विशेष प्राथमिकता देते हुए बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की सतत उपस्थिति सुनिश्चित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा स्वयं मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा आवश्यकतानुसार तत्काल दिशा-निर्देश देकर व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया गया। त्योहारों के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरी मुस्तैदी, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। रायपुर कमिश्नरेट का बयान उक्त सभी पर्व एवं आयोजन में रायपुर कमिश्नरेट को समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों , मीडिया ,व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों का भरपूर सहयोग और मार्गदर्शन मिला जिसके लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते है।

'प्रधानमंत्री भेष बदलने में माहिर हैं', भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी के बस्तर दौरे पर कसा तंज

रायपुरः छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर स्थित निवास पर धूमधाम से गोवर्धन तिहार मनाया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने देश में समाज और भगवान के नाम पर बांटने की राजनीति होने का आरोप लगाया।छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डबल इंजन की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। कई लोग देश में विद्रोह पैदा करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर दौरे का जिक्र करते हुए बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री बस्तर आए थे और वे भेष बदलने में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सलियों को खत्म करने की बात कही थी, जबकि जो लोग विरोध करते हैं, उन्हें दिमागी नक्सली कहा जा रहा है। बघेल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने ही देश के लोगों को गाली देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सभी की आवाज उठाने का काम कर रहे हैं और वैदिक सितारे की तरह उभर रहे हैं। धान खरीदी के मुद्दे पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी का समय आ गया है, लेकिन पटवारी हड़ताल कर रहे हैं। गांव में एक कोटवार ने उनसे कहा कि उनके परिवार की चार एकड़ जमीन गिरदावरी से कट गई है।फैमिली ट्रिप बुक करें बघेल ने कहा कि किसान परेशान हैं और गिरदावरी में भी दिक्कतें आ रही हैं। धान खरीदी की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि अब तक केवल 25 प्रतिशत चावल ही राइस मिलर्स जमा कर पाए हैं, जबकि 75 प्रतिशत चावल जमा नहीं हुआ है। उन्होंने कांग्रेस के सभी विधायकों से इस मुद्दे पर विधानसभा में प्रश्न लगाने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021-22, 2022-23 धान खरीदी के लिहाज से गोल्डन टाइम था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभर में बांटने की राजनीति चल रही है। समाज में जाति के नाम पर लोगों को बांटने का काम हो रहा है। अब भगवान को भी बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कथावाचक धीरेन्द्र शास्त्री पर तंज कसते हुए कहा कि भगवान राम और कृष्ण को बांटकर रख दिया गया है। बघेल ने कहा कि पर्ची देखने वाले कथावाचकों से समाज में विकृति आती है। रक्फसमेत कई मुद्दों पर पूर्व सीएम ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा



कि आधुनिक युग में वैज्ञानिक सोच की जरूरत है और अंधविश्वास से लड़ना जरूरी है। पढ़े-लिखे और समाज की समझ रखने वाले लोगों को आगे आकर इस लड़ाई में हिस्सा लेना चाहिए। अ'२ङ्क फ्रीं - रायपुर में अजब चोरी! घर में थे 10 लाख के जेवर, चोर सिर्फ 2 लाख का माल लेकर भागा उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अन्याय, अत्याचार और प्रजातंत्र को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। संविधान की रक्षा के लिए राहुल गांधी संघर्ष कर रहे हैं। इसी तरह की लड़ाई हम सभी को लड़ने की जरूरत है। रक्फको लेकर भूपेश बघेल ने दावा किया कि 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता अब समझ चुके हैं कि उनके वोट की कीमत क्या है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने परिवार सहित गौवंश की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई विधायक और वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। वहीं, पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोक कलाकारों ने राउत नाचा की शानदार प्रस्तुति दी।

दो बच्चों की मां को फेसबुक वाले प्यार ने पहुंचाया मौत के मुंह में, कमरे में मिली लाश

गाजियाबादः गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के इंद्रापुरी में प्रेम संबंधों के चलते एक महिला की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है. आरोप है कि फेसबुक के जरिए हुई दोस्ती प्रेम संबंधों में बदली और फिर विवाद के बाद खूनी अंजाम तक पहुंच गई. महिला को मिलने के लिए कमरे पर बुलाया गया, जहां कहासुनी के बाद उसके सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई. वारदात के समय आरोपी का एक दोस्त भी कमरे में मौजूद था. पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. महिला के सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृतका की पहचान बुलंदशहर के अनूपशहर थाना क्षेत्र निवासी पिंकी (28) के रूप में हुई है. वह अपने पति प्रमोद और दो बच्चों के साथ लोनी के इंद्रापुरी नंबर-दो स्थित नीलम फैक्टरी रोड पर किराये के मकान में रहती थी. उसका पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है. त्योहार के चलते प्रमोद अपने गांव बुलंदशहर गया हुआ था. इसी दौरान सोमवार देर शाम को पिंकी की हत्या कर दी गई.फैमिली ट्रिप बुक करें मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि पिंकी अपने प्रेमी पिंटू से मिलने पिंटू के साथी आर्यन के कमरे पर पहुंची थी. जहां तीनों ने पहले साथ बैठकर शराब पी थी. इसके बाद प्रेमी पिंटू और पिंकी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया. गुस्से में पिंटू ने ईंट से पिंकी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने पिंटू और उसके दोस्त आर्यन को हिरासत में ले लिया है. पिंटू और उसके साथी ने प्रेमिका पिंकी के घर के पास ही एक कमरा किराए पर लिया था. जिसमें करीब 4 दिनों से वह रह रहे थे, जहां कल पिंकी मिलने पहुंची . कमरे में तीनों ने पहले शराब पी. इसके बाद विवाहित पिंकी और कथिक प्रेमी पिंटू के बीच सोमवार को कमरे में मिलने के बाद कहासुनी बढ़ने पर युवक पिंटू ने पास में रखी ईंट से पिंकी के सिर पर वार कर दिया. हमले में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के दौरान कमरे से चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई. पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी. सोमवार रात करीब 8:54 बजे पुलिस को घटना की जानकारी मिली. र सूचना पर लोनी बॉर्डर थाना पुलिस और वरिष्ठ



अधिकारी मौके पर पहुंचे. कमरे में पिंकी का शव जमीन पर पड़ा मिला. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फील्ड यूनिट को बुलाया और साक्ष्य संकलित कराए. दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस ने मृतका के पति और परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है. पंचायतनामा भरने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. एसीपी अमरदीप मौर्य ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में फेसबुक और फोन के जरिए कुछ माह पहले दोस्ती और फिर आपसी विवाद की बात सामने आई है. आरोपी से पूछताछ की जा रही है. परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने के साथ हत्या के कारणों की जांच कर रही है.

रायपुर में अजब चोरी! घर में थे 10 लाख के जेवर, चोर सिर्फ 2 लाख का माल लेकर भागा



छत्तीसगढ़. रायपुरः राजधानी रायपुर में चोरी का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक चोर छत के रास्ते घर में घुसा और लक्ष्मी पूजन के लिए रखे जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह है कि घर में 10 लाख रुपये से अधिक कीमत के जेवर और 47 हजार रुपये नकद रखे हुए थे, लेकिन चोर करीब 2 लाख रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, मंगल बाजार निवासी संगीता वर्मा के घर में अज्ञात चोर ने छत के रास्ते प्रवेश किया। इसके बाद घर में रखे लक्ष्मी पूजन के जेवर और नकदी को निशाना बनाया। चोर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि घर में लक्ष्मी पूजन के लिए 10 लाख रुपये से अधिक कीमत के जेवर रखे हुए थे। इसके अलावा 47 हजार रुपये नकद भी मौजूद थे। चोर ने इनमें से करीब 2 लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। हालांकि, घर में मौजूद बाकी सामान को चोर ने हाथ नहीं लगाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता संगीता वर्मा ने गुढ़ियारी थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

शो के सेट पर छाया दिवाली का रंग, कलाकारों ने स्वादिष्ट व्यंजनों, मस्ती और साथ मिलकर जश्न मनाया

मुंबई, सोनी सब का पुष्पा इम्पॉसिबल दर्शकों को पुष्पा (करुणा पांडे) के सफर से रूबरू कराता है, जहाँ वह पारिवारिक जीवन, रिश्तों और अप्रत्याशित चुनौतियों के उतार-चढ़ाव का सामना करती हैं। सभी को यह पता चलने के बाद कि टाइगर (मुकुल हरीश), पुष्पा का जैविक बेटा है, चिराग (नितिन बाबू) और टाइगर के बीच तनाव और बढ़ गया है। हालाँकि, पुष्पा की जिंदगी में चल रही तमाम परेशानियों के बीच ऑफस्क्रीन कलाकारों ने सेट पर एक साथ मिलकर दिवाली का जश्न मनाया और



पारंपरिक परिधानों, स्वादिष्ट व्यंजनों तथा ढेर सारी मस्ती के साथ इस अवसर को खास बना दिया। कलाकारों के लिए यह जश्न एक सुखद विराम और साथ मिलकर समय बिताने का बेहतरीन मौका था। करुणा पांडे, मुकुल हरीश और मुस्कान बामने ने साथ मिलकर दिवाली मनाने के अपने सबसे पसंदीदा पलों को साझा किया।

करुणा पांडे ने साझा किया, ह्लदिवाली का मेरा सबसे पसंदीदा हिस्सा अपने आसपास की जगह को सजाना है। मुझे लगता है कि इससे घर हो या सेट, हर जगह सकारात्मकता और अपनापन आ जाता है। हमने बहुत सारे दीये प्रज्वलित किए और मैंने एक खूबसूरत रंगोली भी बनाई। मुझे त्यौहारों से जुड़ी ये छोटी-छोटी खुशियां और परंपराएं बहुत पसंद हैं, और ये जश्न को और भी खास बना देती हैं।ह्व

विकास की वेदी पर बलि चढ़ती प्रकृति



अशोक भाटिया वसई



अरुणाचल प्रदेश के शी योमी और [illegible] जिलों में सियोम नदी पर प्रस्तावित 1,000 मेगावाट की 'नायिंग जलविद्युत परियोजना' को पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति द्वारा प्राथमिक मंजूरी दे दी गई है। राष्ट्रीय सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही इस परियोजना के लिए लगभग 470 हेक्टेयर वन भूमि का इस्तेमाल होगा, जिसके कारण इस अति-संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र से एक लाख से अधिक हरे-भरे पेड़ों को काट दिया जाएगा। यह खबर औद्योगिक और ढांचागत विकास के मोर्चे पर जितनी सकारात्मक लगती है, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से उतनी ही भयावह है। पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश, अपने सघन वर्षावनों और दुर्लभ जैव-विविधता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। ऐसे में विकास के नाम पर एक लाख से अधिक जीवित वृक्षों की सामूहिक बलि देना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह प्राकृतिक तबाही वाकई अपरिहार्य थी? क्या इस अभूतपूर्व नुकसान की भरपाई संभव है? और इस विनाश के बदले अरुणाचल प्रदेश तथा वहां के मूल निवासियों को वास्तव में क्या हासिल होने वाला है?

गौरतलब है कि बिजली घर, सुरंगें और भारी मशीनरी स्थापित करने के लिए एक बहुत बड़े भूभाग की जरूरत है। इस विवाद में सबसे बुनियादी सवाल यह है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर जंगलों को उजाड़े बिना बांध का निर्माण संभव नहीं था? जलविद्युत परियोजनाओं की तकनीकी रूपरेखा पूरी तरह से नदियों के प्रवाह और पानी के विशाल संचय पर टिकी होती है। नायिंग परियोजना के लिए विशालकाय बांधजिस क्षेत्र में यह बांध प्रस्तावित है, वह उच्च संरक्षण मूल्य वाले घने जंगलों के अंतर्गत आता है। इंजीनियरिंग और जलविज्ञान के नियमों के मुताबिक, जब बांध के जरिए नदी के पानी को रोका जाता है, तो उसके पीछे का एक बहुत बड़ा इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है। इस डूब क्षेत्र में आने वाले सभी पेड़ों और वनस्पतियों को पहले ही काट देना तकनीकी और सुरक्षा कारणों से जरूरी माना जाता है। यदि इन पेड़ों को बिना काटे वैसे ही पानी में डूबने के लिए छोड़ दिया जाए, तो पानी के भीतर वे सड़ने लगते हैं। इस सड़न से बड़े पैमाने पर मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन होता है, जो पानी की गुणवत्ता को नष्ट कर पूरे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देती हैं। यही वजह है कि जलाशय की जलधारण क्षमता बनाए रखने के लिए इन एक लाख पेड़ों को हटाना सरकारी ब्लूप्रिंट में एक व्यावहारिक विवशता बन जाता है।

जब हम एक लाख पेड़ काटने की बात करते हैं, तो प्रशासनिक फाइलों पर यह केवल एक निर्जीव संख्या की तरह दिखता है, लेकिन प्रकृति के विज्ञान में यह सदियों की अनवरत तपस्या का अंत है। इंसानी हाथों द्वारा लगाए जाने वाले कृत्रिम बागानों और प्राकृतिक वनों के बीच एक ऐसा अंतर होता है जिसे कभी पाटा नहीं जा सकता। एक सामान्य पौधा लगाने के बाद उसे एक परिपक्व वृक्ष बनने में भले ही 15 से 20 वर्ष का समय लगता हो, लेकिन जब हम एक वास्तविक जंगल की बात करते हैं, तो वह केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि एक जटिल और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र होता है। अरुणाचल प्रदेश के ये जंगल अत्यधिक घने वन की श्रेणी में आते हैं, जिनमें सदियों पुराने विशालकाय ओक, पाइन और देवदार के वृक्ष शामिल हैं। इस तरह के एक समृद्ध वर्षावन को पूरी तरह से अपने मूल प्राकृतिक स्वरूप में लौटने के लिए कम से कम 80 से 150 वर्ष का लंबा वक्त लगता है। इन प्राकृतिक वनों में कई स्तरों पर वनस्पतियां, मिट्टी की सूक्ष्म जैविक संरचना, कवक और स्थानीय जीव-जंतुओं का एक पूरा संसार विकसित होता है। विडंबना यह है कि इंसानी प्रयासों द्वारा किए जाने वाले प्रतिपूरक वनीकरण में लगाए गए पौधों में से केवल 20 से 25 प्रतिशत ही जीवित रह पाते हैं। इसलिए कोई भी कृत्रिम रोपण कभी भी उस प्राकृतिक जैव-विविधता का विकल्प नहीं बन सकता जो प्रकृति ने सदियों के क्रमिक विकास से तैयार की है।

भारतीय वन कानूनों के तहत, जब भी किसी विकास परियोजना के लिए वन भूमि का डायवर्जन किया जाता है, तो निर्माण एजेंसी से 'प्रतिपूरक वनीकरण' के तहत भारी आर्थिक हजार्ना वसूला जाता है। नायिंग परियोजना के लिए भी समिति ने सख्त शर्तें लगाई हैं, जिसके तहत काटे गए पेड़ों की संख्या से दोगुनी संख्या में नए पेड़ लगाने और नष्ट हुए वन्यजीव आवासों के पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना का खर्च उठाना होगा। परंतु, इस हजार्ने की नीति में एक बहुत बड़ी भौगोलिक विसंगति हमेशा से मौजूद रही है। अरुणाचल प्रदेश का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग पहले से ही सघन वनों से ढका हुआ है, जिसके कारण राज्य के भीतर वनीकरण के लिए अतिरिक्त गैर-वन भूमि मिलना लगभग नामुमकिन होता है। इसी वजह से पूर्व की कई परियोजनाओं के अनुभवों को देखें, तो अरुणाचल में काटे जाने वाले वनों का हजार्ना और नया वनीकरण मध्य प्रदेश या अन्य मैदानी राज्यों में सैकड़ों किलोमीटर दूर खाली पड़ी भूमि पर करने का प्रस्ताव दिया जाता रहा है। यह प्रक्रिया कानूनी कागजों पर भले ही हजार्ना मान ली जाए, लेकिन पारिस्थितिकी के तराजू पर यह पूरी तरह निरर्थक है। अरुणाचल के संवेदनशील पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में जो एक लाख पेड़ कटेंगे, उससे वहां की स्थानीय जलवायु, वर्षा का चक्र, भूस्खलन की आवृत्ति और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा, जिसकी भरपाई देश के किसी अन्य कोने में पेड़ लगाकर कभी नहीं की जा सकती।

इस भारी प्राकृतिक कीमत को चुकाने के बाद यह जानना जरूरी है कि इस पूरे सौदे से अरुणाचल प्रदेश और उसके नागरिकों को अंततः क्या हासिल होने वाला है। सरकार के आर्थिक तथा रणनीतिक रोडमैप के अनुसार, यह परियोजना अरुणाचल को बिजली आधिक्य राज्य बनाने और उसकी आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। इसके क्रियान्वयन से अरुणाचल प्रदेश को उत्पादित होने वाली कुल बिजली का 12 प्रतिशत हिस्सा रॉयल्टी के रूप में पूरी तरह मुफ्त मिलेगा, जिसे ग्रिड या अन्य राज्यों को बेचकर राज्य सरकार हर साल करोड़ों रुपये का राजस्व अर्जित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, निर्माण और संचालन के चरणों में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सुदूरवर्ती और दुर्गम जिलों में पक्की सड़कों, पुलों, अस्पतालों और आधुनिक स्कूलों का विकास होगा, जो स्थानीय कनेक्टिविटी और जीवन स्तर को ऊपर उठाएगा। सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक सुरक्षा से जुड़ा है; चीन की सीमा के निकट होने के कारण इस नदी के निचले हिस्से पर भारत द्वारा इन बड़े बांधों का निर्माण करना बेहद जरूरी है, ताकि ऊपरी तटीय क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांधों के जवाब में भारत अपने अंतरराष्ट्रीय जल अधिकारों को मजबूती से सुरक्षित कर सके।

निष्कर्ष के तौर पर यह स्पष्ट है कि 'नायिंग जलविद्युत परियोजना' को मंजूरी मिलना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक नीतियों की एक बड़ी जीत हो सकती है, लेकिन एक लाख पेड़ों की यह सामूहिक बलि इस जीत पर पर्यावरण की ओर से एक गहरा दाग भी है। जब हम एक लाख पेड़ काटते हैं, तो हम केवल लकड़ी का नुकसान नहीं कर रहे होते, बल्कि हम हिमालय की संवेदनशील और दरकती पहाड़ियों की जड़ों को कमजोर कर रहे होते हैं, जिससे भविष्य में विनाशकारी भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और बड़े पर्यावरणीय असंतुलन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विकास और पर्यावरण के इस अंतहीन टकराव में अब हमें पुराने प्रशासनिक तौर-तरीकों से हटकर सोचने की सख्त जरूरत है। यदि इन पेड़ों को काटना एक अपरिहार्य तकनीकी मजबूरी है, तो इसके हजार्ने के तहत होने वाले वनीकरण को महज कागजी खानापूर्ति या दूसरे राज्यों में पेड़ लगाने की औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बजाय सरकार और निर्माण कंपनियों को अरुणाचल के ही स्थानीय, भूस्खलन-संवेदनशील इलाकों में वैज्ञानिक पद्धतियों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके युद्धस्तर पर सघन वनों को पुनर्जीवित करने का जिम्मा उठाना होगा, क्योंकि विकास केवल तभी तक टिकाऊ और सार्थक है जब तक प्रकृति हमें खुलकर सांस लेने की अनुमति देती है।

अशोक भाटिया

प्रतिबंध नहीं, सुरक्षित डिजिटल संसार की जरूरत

डिजिटल युग में बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना उनके शिक्षा, अभिव्यक्ति और सूचना के अधिकारों को सीमित करना है। आवश्यकता व्यापक प्रतिबंधों की नहीं, बल्कि जिम्मेदार उपयोग, प्रभावी निगरानी और सुरक्षित डिजिटल वातावरण की है।



-डॉ. प्रियंका सौरभ

इक्कीसवीं सदी में इंटरनेट केवल मनोरंजन या संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि शिक्षा, सूचना, अभिव्यक्ति और सामाजिक सहभागिता का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। विशेषकर बच्चों के लिए डिजिटल दुनिया ज्ञान के नए द्वार खोलती है। ऐसे समय में बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह वंचित करना उनके विकास के अवसरों को सीमित करने जैसा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों की इंटरनेट तक पहुँच के अधिकार से जुड़े अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के नाम पर व्यापक और एकमुश्त प्रतिबंध उचित समाधान नहीं हो सकते। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ं) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की व्यापक व्याख्या में डिजिटल पहुँच का महत्व भी सामने आता है। हालांकि, इस अधिकार का अर्थ यह नहीं है कि बच्चों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इंटरनेट की खुली छूट दे दी जाए।

बच्चों के शैक्षणिक विकास में इंटरनेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षणिक वीडियो, आभासी प्रयोगशालाएँ और विभिन्न शिक्षण मंच पारंपरिक शिक्षा के पूरक बन चुके हैं। केंद्र सरकार के दीक्षा (ऊ्रद्धरल्लअ) मंच और पीएम ई-विद्या जैसी पहल ने डिजिटल शिक्षा को व्यापक बनाने में योगदान दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए इंटरनेट गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री तक पहुँच का माध्यम बन सकता है। जिन विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, पुस्तकालय या अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ डिजिटल माध्यम शिक्षा की कमियों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं। इंटरनेट बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। वे विज्ञान, साहित्य, इतिहास, पर्यावरण, कला और तकनीक जैसे विषयों पर अपनी रुचि के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और विचार साझा कर सकते हैं। इससे उनमें अभिव्यक्ति का आत्मविश्वास और संवाद की क्षमता विकसित होती है। सूचना का अधिकार भी इंटरनेट के माध्यम से अधिक प्रभावी बनता है। बच्चे अपने आसपास की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को समझकर जागरूक नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।डिजिटल पहुँच समावेशी शिक्षा के लिए भी आवश्यक है। दिव्यांग बच्चों के लिए स्क्रीन रीडर, ऑडियो पुस्तकें, सांकेतिक भाषा आधारित सामग्री और अन्य सहायक तकनीकें शिक्षा को अधिक सुलभ बनाती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को भी देश-दुनिया के शैक्षणिक संसाधनों से जुड़ने का अवसर मिलता है। इंटरनेट डिजिटल साक्षरता विकसित करता है, जो भविष्य के रोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल बन चुकी है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शोध, डिजिटल संचार और तकनीकी नवाचार के दौर में बच्चों को डिजिटल दुनिया से दूर रखना उनके भविष्य की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है। हालाँकि, इंटरनेट के लाभों के साथ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज अभिभावकों, शिक्षकों, सरकार और डिजिटल मंचों के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। ऑनलाइन यौन शोषण, बच्चों को बहला-फुसलाकर अनुचित गतिविधियों में शामिल करना, साइबर बुलिंग, अश्लील सामग्री, फर्जी पहचान और डिजिटल धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। कई बार बच्चे अनजान व्यक्तियों से संपर्क में आ जाते हैं और अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें या स्थान संबंधी विवरण साझा कर देते हैं। इसका दुरुपयोग उनके मानसिक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। साइबर बुलिंग भी एक गंभीर समस्या है। सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियाँ, धमकियाँ, मजाक उड़ाना और निजी तस्वीरों का दुरुपयोग बच्चों के आत्मविश्वास तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल मंचों द्वारा बच्चों के व्यवहार, पसंद और व्यक्तिगत जानकारी का अत्यधिक संग्रह उनकी निजता के अधिकार के लिए चुनौती है। एल्गोरिदम आधारित सामग्री बच्चों को लगातार स्क्रीन पर बनाए रखने का प्रयास करती है, जिससे उनकी पढ़ाई, नींद, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सलिए समाधान इंटरनेट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने में नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण तैयार करने में निहित है। सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार-आधारित दृष्टिकोण का मूल संदेश भी यही है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले उपाय तर्कसंगत, आनुपातिक और उद्देश्य के अनुरूप होने चाहिए। किसी विशेष खतरे के समाधान के नाम पर सभी बच्चों की इंटरनेट पहुँच समाप्त कर देना उचित नहीं है। प्रतिबंधों के बजाय जोखिम के अनुसार सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए।

सबसे पहले, डिजिटल मंचों को बच्चों के अनुकूल बनाया जाना आवश्यक है। बच्चों के खातों में निजता संबंधी व्यवस्थाएँ पहले से सुरक्षित होनी चाहिए। अनजान व्यक्तियों के संदेशों, अनुचित संपर्कों और संवेदनशील सामग्री तक पहुँच को सीमित करने की व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों के व्यक्तिगत आँकड़ों का अनावश्यक संग्रह और व्यावसायिक उपयोग रोका जाना चाहिए। आयु के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने और हानिकारक सामग्री की पहचान करने के लिए प्रभावी तकनीकी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए।

दूसरा, अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों पर केवल निगरानी रखने के बजाय उनके साथ विश्वास और संवाद का संबंध विकसित करना होगा। उन्हें समझाना होगा कि इंटरनेट पर प्रत्येक व्यक्ति विश्वसनीय नहीं होता और निजी जानकारी साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। अभिभावकीय सहमति, आयु के अनुरूप नियंत्रण और समय-समय पर संवाद के माध्यम से बच्चों को जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार सिखाया जा सकता है। बच्चों की निजता और स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए मार्गदर्शन देना आवश्यक है।

तीसरा, डिजिटल सुरक्षा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (ठउएफ्ळ) तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों (रउएफ्ळ) के माध्यम से साइबर सुरक्षा, डिजिटल शिष्टाचार, ऑनलाइन धोखाधड़ी, निजता और सूचना की सत्यता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बच्चों को यह भी सिखाना होगा कि इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक जानकारी सही नहीं होती। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अनुचित संपर्क की स्थिति में उन्हें बिना भय के अभिभावकों और शिक्षकों को बताने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

चौथा, डिजिटल मंचों की जवाबदेही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री की पहचान, उसे हटाने और संबंधित एजेंसियों तक सूचना पहुँचाने के लिए प्रभावी तंत्र होना चाहिए। साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल और बच्चों के अनुकूल बनाई जानी चाहिए। बाल हेल्पलाइन 1098 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल जैसी व्यवस्थाओं के बारे में बच्चों तथा अभिभावकों को जागरूक करना चाहिए। पुलिस, विद्यालयों और बाल संरक्षण संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है। अंततः, बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना उनके भविष्य को सुरक्षित करने का स्थायी उपाय नहीं है। उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ने योग्य बनाना ही वास्तविक बाल संरक्षण है। अधिकार और सुरक्षा एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। जिस प्रकार सड़क सुरक्षा के लिए यातायात पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जाता, बल्कि नियम, संकेत और सावधानियाँ अपनाई जाती हैं, उसी प्रकार डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षा के संतुलित उपाय आवश्यक हैं।

बच्चों के हाथों से इंटरनेट छीनने के बजाय उनके हाथों में डिजिटल विवेक देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रतिबंध भय पैदा कर सकते हैं, लेकिन शिक्षा, जागरूकता और जवाबदेही ही सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकती है। (डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग । ठङ्घ५ 9 2026 3:05ढट

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला ह्य80 बनाम 20ह्ल के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

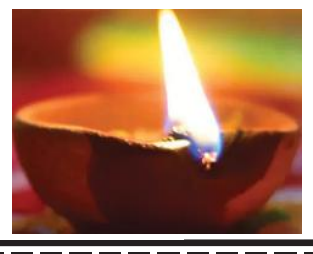
भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल ह्य80 बनाम 20ह्ल के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फामूर्ला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि



वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है।

लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है।





यमद्वितीया (भैय्यादूज) : भाई-बहन के प्रेम, मंगलकामना और आध्यात्मिक कल्याण का पर्व

यमद्वितीया का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व

दीपावली के पांच दिवसीय पर्व का समापन कार्तिक शुक्ल द्वितीया को होता है। इस दिन को ह्ययमद्वितीयाह्न अथवा ह्यभैय्यादूजह्न कहा जाता है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और परस्पर मंगलकामना का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन यमदेव अपनी बहन के घर भोजन करने जाते हैं। इसलिए बहनें अपने भाइयों का औक्षण (आरती) कर उनके दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना करती हैं।

1. यमद्वितीया का धार्मिक महत्त्व

हिन्दू धर्मशास्त्र के अनुसार, अकालमृत्यु से रक्षा के उद्देश्य से यमदेव का पूजन करने के लिए कार्तिक शुक्ल द्वितीया का विशेष महत्त्व है। मान्यता है कि इस दिन यमदेवता की उपासना करने से उनके आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। पूजन के समय चौकी अथवा चौरंग पर चावल के तीन छोटे पुंज बनाकर उन पर तीन सुपारियां रखी जाती हैं और यमदेवता का पूजन किया जाता है।

2. यमद्वितीया और भैय्यादूज नाम पड़ने का कारण

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक शुक्ल द्वितीया को वातावरण में यमतरंगों का संचार अधिक होता है। इन तरंगों के कारण जीवों को विभिन्न प्रकार के कष्ट हो सकते हैं। इसलिए इस दिन यमदेवता का पूजन कर उनसे इन कष्टों से रक्षा करने की प्रार्थना की जाती है।

पृथ्वी को यमदेव की बहन का प्रतीक माना गया है। इस दिन यमदेव अपनी बहन के घर अर्थात भूलोक में आते हैं, ऐसी मान्यता है। इसी कारण इस तिथि को ह्ययमद्वितीयाह्न कहते हैं। यमदेव के अपनी बहन के घर भोजन करने की परंपरा के प्रतीकस्वरूप भाई अपनी बहन के घर भोजन करता है। बहन द्वारा भाई का आदर-सत्कार करने की परंपरा के कारण यह पर्व ह्यभैय्यादूजह्न कहलाता है।

3. बहन द्वारा भाई का औक्षण करने की विधि

भोजन से पूर्व बहन भाई को कुमकुम का तिलक लगाकर अक्षत चढ़ाती है। इसके बाद सुपारी और अंगूठी को भाई के मुख के सामने अर्धवृत्ताकार दिशा में तीन बार घुमाती है तथा दीपक से तीन बार आरती उतारती है। तत्पश्चात भाई को उपहार देकर उसका सम्मान करती है। इस धार्मिक कृति को औक्षण कहते हैं। शास्त्रानुसार श्रद्धा और भावपूर्वक की गई धार्मिक कृति से उसका आध्यात्मिक लाभ भी अधिक प्राप्त होता है।

4. औक्षण का आध्यात्मिक महत्व

आध्यात्मिक विवेचन के अनुसार, बहन द्वारा भावपूर्वक औक्षण करने से उसमें देवीतत्त्व एवं चैतन्य ग्रहण करने की क्षमता बढ़ती है। औक्षण के समय दीपक से प्रक्षेपित होनेवाली शक्तितरंगें भाई की ओर प्रवाहित होकर उसके चारों ओर सुरक्षा-कवच निर्मित करने में सहायक होती हैं। इससे वातावरण में भी चैतन्य और सकारात्मकता का संचार होता है। इस प्रकार औक्षण की धार्मिक विधि केवल भाई के सम्मान तक सीमित न रहकर उसके आध्यात्मिक कल्याण की कामना से भी जुड़ी हुई है।

5. यमदेवता के पूजन एवं औक्षण से होनेवाले लाभ

इस दिन बहनें भाई के रूप में यमदेवता का आवाहन कर उनका पूजन करती हैं और उनसे परिवार की रक्षा की प्रार्थना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे यमतरंगों तथा अतृप्त पितरों के कारण होनेवाले कष्टों का प्रभाव कम होता है। घर का वातावरण शुद्ध एवं आनंददायी बनता है। औक्षण के पश्चात भाई अपनी बहन के हाथों से बना भोजन ग्रहण करता है। सगी बहन न होने पर चचेरी या ममेरी बहन के घर अथवा किसी परिचित स्त्री को बहन मानकर उसके घर भोजन करने की परंपरा भी है।

6. भाई द्वारा बहन को उपहार देना

भोजन के पश्चात भाई अपनी सामर्थ्य के अनुसार बहन को वस्त्र, आभूषण अथवा धन आदि उपहार देता है। उपहार सात्त्विक एवं धर्माचरण को प्रोत्साहित करनेवाला हो, तो अधिक उचित है। उदाहरणार्थ, साधना एवं धर्म से संबंधित ग्रंथ अथवा देवपूजन में उपयोगी वस्तुएं भेंट की जा सकती हैं। इससे भाई-बहन के संबंधों में स्नेह के साथ धर्मभाव भी बढ़ता है।

7. चंद्रमा का औक्षण करने का महत्त्व

कुछ स्थानों पर बहनें सायंकाल चंद्रमा का औक्षण करने के पश्चात भाई का औक्षण करती हैं। भाई न होने पर कुछ स्थानों पर चंद्रमा को भाई मानकर उसका औक्षण करने की परंपरा है। धार्मिक विवेचन के अनुसार, चंद्रमा की शीतल तरंगों से वातावरण की उष्णता एवं दाहकता कम होती है। इससे वातावरण प्रसन्न और शांत बनता है तथा बहनों में भावजागृति होने में सहायता मिलती है।

8. भाईदूज से भाई-बहन को होनेवाले आध्यात्मिक लाभ

इस दिन बहन द्वारा भाई के कल्याण के लिए भावपूर्वक की गई प्रार्थना से भाई को लाभ मिलता है। मान्यता के अनुसार, इस दिन स्त्री में देवीतत्त्व अधिक जागृत रहता है। भाई की साधना के अनुसार उसे आध्यात्मिक अथवा व्यावहारिक लाभ प्राप्त होता है। इसके साथ ही भाई-बहन के बीच विद्यमान कर्मों के लेन-देन को कम करने में भी इस दिन की प्रार्थना सहायक मानी गई है। भाईदूज के दिन भाई में शिवतत्त्व जागृत होने से बहन को भी आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।



धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे उसके प्रारब्ध के कष्टों की तीव्रता कम होने में सहायता मिलती है।

भाईदूज : प्रेम के साथ धर्माचरण का भी संदेश !

भाईदूज केवल भाई-बहन के प्रेम और पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करने का पर्व नहीं है, अपितु यह हमें धर्मशास्त्र में बताई गई धार्मिक कृतियों का महत्त्व भी समझाता है। इस दिन भाई-बहन एक-दूसरे के कल्याण की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करें और सात्त्विक जीवन तथा साधना की ओर अग्रसर हों। इसी प्रकार श्रद्धा और भावपूर्वक पर्व मनाने से उसका वास्तविक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो सकता है।

संदर्भ : सनातन-निर्मित ग्रंथ ह्यत्यौहार, धार्मिक उत्सव व व्रतह्न।

विनम्र
श्रीमती बबीता गांगुली
सनातन संस्था
संपर्क क्रमांक : 98302 27666

भाई दूज आज



कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि के अनुसार भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन भाई को तिलक करने का शुभ मुहूर्त दोपहर 01:10 बजे से 03:20 बजे तक रहेगा। बहनें पूजा की थाली में रोली, चावल, गोला और मिठाई रखकर भाई की लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।

गोवर्धन पूजा के ठीक अगले दिन भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। यह दिन पांच दिवसीय दीपावली पर्व का आखिरी दिन होता है। इस पर्व के भाई और बहन के प्यार का प्रतीक माना जाता है। भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। इस खास मौके पर बहन अपने भाई को तिलक करके उनकी लंबी उम्र, सेहत और सुख-समृद्धि की प्रार्थना करती हैं। वहीं भाई अपनी बहनों को उपहार देता है और बहन की रक्षा का वचन देता है। लेकिन भाई दूज के मौके पर शुभ मुहूर्त में भाई को तिलक करना चाहिए। तो आइए जानते हैं भाई दूज का पर्व कब मनाया जाएगा और तिलक का शुभ मुहूर्त क्या है।

भाई दूज की थाली

भाई दूज की थाली में चावल, रोली, दीपक, देसी घी, बाती, फूल, गोला, कलावा, मिठाई और जल रखें।

डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया की शुरूआत 10 नवंबर की दोपहर 02:00 बजे से होगी। वहीं अगले दिन यानी की 11 नवंबर की दोपहर 03:53 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से 11 नवंबर 2026 को भाई दूज का पर्व मनाया जाएगा।

वहीं 11 नवंबर को भाई दूज के दिन तिलक का मुहूर्त दोपहर 01:10 मिनट से लेकर 03:20 मिनट तक है। इस दौरान बहनें किसी भी समय अपने भाई का तिलक कर सकती हैं।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05:00 से 05:52 मिनट तक है।

विजय मुहूर्त - दोपहर 02:05 मिनट से 02:50 मिनट तक रहेगा।

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05:46 मिनट से 06:12 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11:49 मिनट से 12:41 मिनट तक

सर्वार्थ सिद्धि योग - सुबह 06:44 मिनट से 11:38 मिनट तक

दान करें ये चीजें

भाई दूज के दिन दान करने का महत्व होता है। इस दिन लोग मंदिर या फिर गरीबों को अन्न-धन जैसी चीजों का दान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन सच्चे मन से दान-पुण्य करने से जीवन सुख-समृद्धि से भरा रहता है और शुभ परिणाम मिलते हैं।

भगवान कृष्ण की आराधना का पर्व है गोवर्धन पूजा

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर 10 नवंबर 2026 को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 6:40 बजे से 8:50 बजे तक रहेगा। श्रद्धालु गाय के गोबर से प्रतीकात्मक पर्वत बनाकर भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता की पूजा करते हैं तथा छप्पन भोग अर्पित करते हैं।

हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 10 नवंबर 2026 को मनाया जा रहा है। दिवाली पर्व के बाद कार्तिक माह का पहला दिन गोवर्धन पूजा के साथ शुरू होता है। गोवर्धन पूजा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा-भक्ति और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का है। इस दिन गोवर्धन पर्वत, भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता की पूजा करने की परंपरा है। तो आइए जानते हैं कि इस पर्व की तिथि,



मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व आदि के बारे में...

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 09 नवंबर 2026 को 12:31 मिनट पर हुई थी। वहीं आज यानी की 10 नवंबर 2026 को दोपहर 02:00 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जा रहा है। वहीं इस दिन पूजा का मुहूर्त सुबह 6:40 से 8:50 बजे तक है।

पूजन विधि

आज के दिन गाय के गोबर या मिट्टी से प्रतीकात्मक गोवर्धन पहाड़ी बनाई जाती है। इसके बगल में भगवान श्रीकृष्ण की एक छोटी मूर्ति रखें, जिससे कि पूजा में पहाड़ी और इसको उठाने वाले दोनों का स्मरण हो। इसके बाद टीले को पत्ते, फूल, रोली और अक्षत से सजाएं। वहीं पास में घी का दीपक भी जलाया जाता है। इसके बाद छप्पन भोग अर्पित कर आरती और मंत्रोच्चार करें। वहीं प्रतीकात्मक गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करें और संभव हो तो इस दिन गायों और बछड़ों का तिलक कर उनको ताजी घास और गुड़ आदि खिलाना चाहिए।

महत्व

धार्मिक मान्यता है कि इंद्र देव के अहंकार को चूर-चूर करने के लिए और उनके प्रकोप से गोकुल के वासियों की रक्षा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली से उठाया था। गोवर्धन पर्वत के नीचे सभी ब्रजवासियों से लेकर जानवरों तक ने आश्रय लिया और अपनी जान बचाई। श्रीकृष्ण की लीला को ध्यान में रखकर यह पर्व मनाया जाता है।

नोटबंदी से आतंकवाद और नक्सलवाद पर लगामः बीजेपी

भुवनेश्वरः ओडिशा बीजेपी ने दावा किया कि 10 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई नोटबंदी की कवायद को उचित मान्यता देने की जरूरत है, क्योंकि इससे आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म करने का मार्ग प्रशस्त हुआ और अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिला, राज्य बीजेपी के प्रवक्ता सत्यव्रत पांडा ने दावा किया। पांडा ने ये दावे सोमवार को 'नोटबंदी' की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संवाददाता सम्मेलन में किए। केंद्र सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को सभी 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोटों को बंद करने की घोषणा की। अ'रङ्ग फ्रीं - ओडिशा में 4,708 करोड़ की परियोजना को मंजूरी ज्यादा जानें हिंदी समाचार पत्रिका मध्य प्रदेश समाचार नक्शे देखें पांडा ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नोटबंदी के साहसिक फैसले ने न केवल चरमपंथियों के लिए नकदी के प्रवाह को बाधित किया है, बल्कि पुराने नकली नोटों को भी निष्क्रिय कर दिया है। नोटबंदी ने मुद्रा नोटों को अमान्य करने और वित्तीय लेनदेन को औपचारिक बैंकिंग और डिजिटल प्रणालियों में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।₹ उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ₹अतीत में, नक्सलियों ने ओडिशा में जिला कलेक्टरों और विधायकों का अपहरण करने की हिम्मत की थी; हालांकि, अब वह स्थिति नहीं है। नोटबंदी ने इस बदलाव में एक बड़ा योगदान दिया है।₹ यह कहते हुए कि बेहिसाब नकदी, जाली नोट और 'हवाला' लेनदेन भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं, भाजपा नेता ने कहा कि नोटबंदी ने इस पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर एक निर्णायक झटका लगाया है। उन्होंने कहा कि बाद के सुरक्षा अभियानों, विकासात्मक पहलों और आर्थिक सुधारों में नोटबंदी के योगदान को उचित रूप से मान्यता और मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पांडा ने कहा कि नोटबंदी ने तुरंत उच्च मूल्य के नकली नोटों, विशेष रूप से पाकिस्तान में मुद्रित पुराने 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों को बेकार कर दिया। उन्होंने कहा, ₹नोटबंदी के बाद, विभिन्न माओवादी समूहों से लगभग 97.75 लाख रुपये जब्त किए गए। ओडिशा में, अब अमान्य मुद्रा की बड़ी मात्रा की खोज की गई, जिसे माओवादियों ने जमीन के नीचे दबा दिया था। चरमपंथियों की फंडिंग को बाधित करने का यह कदम एक व्यापक माओवादी विरोधी अभियान का हिस्सा था।₹ उन्होंने बताया कि जब 2010 में देश भर में नक्सली हिंसा की घटनाओं की संख्या 1,936 थी, तो अब कोई भी जिला माओवाद प्रभावित क्षेत्रों की सूची में नहीं है। पांडा ने दावा किया कि यह एक सामूहिक सफलता है, जो नोटबंदी के साथ-साथ सुरक्षा अभियानों, खुफिया समन्वय, सड़कों और कनेक्टिविटी के विकास, पुनर्वास और गरीबी उन्मूलन से उपजी है। कांग्रेस भाजपा नेता ने कहा, ₹जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमलों और हिंसक घटनाओं की संख्या भी 2018 में 228 से घटकर 2025 में 12 हो गई है।

छल मिला उपहार॥

जिनको अपना मानकर, खोला मन का द्वार।
वही पराए बन गए, करके गहरा वार॥
रिश्तों की इस भीड़ में, खोजा सच्चा प्यार।
स्वार्थ मिला हर मोड़ पर, छल मिला उपहार॥
अपनी खुशियाँ बाँटकर, जिनको बाँटा प्यार।
वक्त पड़ा तो छोड़कर, चले गए वे यार॥
दिल से जिनको चाहकर, अपना सब कुछ मान।
वही हमारी भावना, का न रख सके मान॥
विश्वासों की नींव पर, कर रिश्ते निर्माण।
इक झूठ ने ढहा दिया, वर्षों का अभिमान॥
अपनी रूह लुटा दिया, रखकर उन पर आस।
फिर भी उनके मन नहीं, हुआ हमारा वास॥
मीठे बोलों में छिपा, स्वार्थ बड़ा अनमोल।
चेहरे पढ़ना सीखिए, हर मन का न खोल॥
जिनके खातिर सह लिए, हमने लाखों घाव।
वही समझ न सके कभी, मन के भीतर भाव॥
अपना बनकर जो रहे, करते भीतर घात।
उनसे बढ़कर पीर क्या, उनसे बढ़ आघात॥
सीखा हमने हारकर, रिश्तों का व्यवहार।
हर मुस्कान में नहीं, होता प्यार दुलार॥
जिनको अपना मानकर, सौंप दिया संसार।
वही हमारे मौन का, कर बैठे व्यापार॥
मन की दौलत बाँट दी, समझ उन्हें धनवान।
लौट मिले बस दर्द ही, टूट गया अभिमान॥
किससे कितना बोलना, सीख लिया अब आज।
हर कोई अपना नहीं, ना हर है हमराज॥
कर्जदार उस सीख की, जो सिखलाए धीर।
हर पीड़ा के बाद ही, जागे नई समीर॥
न कोई शिकायत रही, अब न किसी से बैर।
जिनसे सीखा आज तक, मांगूं सबकी खैर॥
कर्जदार हूँ आज भी, उन सबके एहसान।
जिनके छल से है मिली, खुद को खुद पहचान॥

- डॉ. प्रियंका सौरभ

चेहरा कहता मौन

एक अकेला चल रहा, लेकर सत्य विचार।
झुंड बनाकर लोग भी, करते उस पर वार॥
कितना ऊँचा कद हुआ, जिसका इतना मान।
नीचा करने के लिए, जुटे कई इंसान॥
सिंह अकेला वन चले, गीदड़ चलते साथ।
शक्ति नहीं संख्या बड़ी, साहस सच्ची बात॥
जिसकी ऊँची सोच है, जिसका ऊँचा मान।
उसे गिराने में लगे, छोटे-छोटे प्राण॥
भीड़ हमेशा शोर से, करती अपना काम।
सच्चाई खामोश है, फिर भी ऊँचा नाम॥
पत्थर फेंके लोग जब, रखना धीरज साख।
ऊँचे पर्वत पर सदा, पड़ते पत्थर लाख॥
नीचा कहने से कभी, ऊँचा होता कौन।
दर्पण धूमिल कर दिया, चेहरा कहता मौन॥
सत्य अकेला ही सही, झूठे खड़े हजार।
अंत समय में सत्य की, होती जय-जयकार॥
अपनी राह न छोड़ना, चाहे आए बाधे।
भीड़ देखकर मत बदल, अपने मन के साध॥
जो सम्मानित हो रहा, उससे जलते लोग।
दीपक की लौ देखकर, बढ़ता तम का रोग॥
झुंड बनाकर वार जो, करते बारंबार।
उनके मन में भय छिपा, बाहर दिखे प्रहार॥
जिसका मन मजबूत है, अडिग रहे विश्वास।
आँधी उसको क्या करे, जिसके जड़ में आस॥
खुद को ऊँचा कर चलो, मत गिराओ और।
सच्ची ऊँचाई वही, जहाँ प्रेम की डोर॥
लाख विरोधी सामने, मन में रख विश्वास।
सूरज को रोकें भला, कैसे ये आकाश॥
मौन रहो, कमजोर मत, समझे जग संसार।
शांत नदी के गर्भ में, बहती शक्ति अपार॥
जिसे झुकाना चाहते, झुकता नहीं महान।
भीड़ खड़ी हो सामने, अडिग रहे इंसान॥

- डॉ. सत्यवान सौरभ

अवैध बिजली बाड़ से हाथी की मौत



बारीपदाः मयूरभंज जिले के बारीपदा फॉरेस्ट डिवीजन के डुकुरा फॉरेस्ट सेक्शन के करमघुटू इलाके में एक खेत में एक हाथी मरा हुआ मिला। अधिकारियों को शक है कि उसे गैर-कानूनी तरीके से बिछाए गए बिजली के तार से करंट लगा होगा। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। कहा जा रहा है कि यह तार खेतों में हाथियों से फसलों को बचाने के लिए बिछाया गया था, जो खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे थे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि तार किसने लगाया था। बारीपदा के ऊह्न गोबिंद चंद्र बिस्वाल ने कहा, ह्लमंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा, और साइंटिफिक एनालिसिस के लिए जरूरी सैंपल भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह का पता चलेगा।ह्व जिले के बैसिंगा, रसगोविंदपुर और बांगिरीपोसी इलाकों से भी पहले इसी तरह हाथियों की मौत की खबरें आ चुकी हैं। इस नई घटना ने वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन और खेतों में गैर-कानूनी बिजली कनेक्शन के इस्तेमाल को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं। वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट ने बार-बार हो रही मौतों पर चिंता जताई है, उनका कहना है कि इस तरह के तरीकों से इंसान-हाथी टकराव और बढ़ सकता है। पूर्व ऑनरेरी वाइल्डलाइफ वार्डन भानुमित्र आचार्य ने कहा कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट हाथियों से फसल को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सही तरीके नहीं अपना पाया है।

चंपारण में सेब की खेती का कमाल, हिमाचल-कश्मीर से 2 महीने पहले फसल तैयार



पश्चिम चंपारण। अब तक सेब की खेती का नाम आते ही हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की तस्वीर सामने आती थी। माना जाता था कि सेब की अच्छी पैदावार के लिए ठंडी जलवायु और कम तापमान जरूरी है, लेकिन बिहार के पश्चिम चंपारण के किसानों ने इस धारणा को बदलना शुरू कर दिया है। यहां की गर्म जलवायु में भी सेब के बागान तैयार हो रहे हैं और पेड़ों पर फल लहलहा रहे हैं। खास बात यह है कि यहां उत्पादित सेब दूसरे राज्यों की तुलना में करीब दो महीने पहले बाजार में पहुंचने के लिए तैयार हो जाते हैं। इससे किसानों को बेहतर कीमत मिलने और आमदनी बढ़ने की उम्मीद है। पश्चिम चंपारण में सेब की खेती की इस नई शुरूआत के पीछे इजराइल की अन्ना प्रजाति का महत्वपूर्ण योगदान है। इस किस्म की खासियत यह बताई जाती है कि इसे पारंपरिक सेब की किस्मों की तुलना में अधिक गर्म जलवायु में भी उगाया जा सकता है। इसी वजह से चंपारण जैसे गर्म इलाके में सेब की खेती की संभावनाएं बढ़ी हैं। इजराइली अन्ना प्रजाति ने बदली खेती की तस्वीर पश्चिम चंपारण में सेब की खेती को सफल बनाने में अन्ना प्रजाति की अहम भूमिका सामने आई है। यह किस्म उन क्षेत्रों के लिए उपयोगी मानी जाती है, जहां पारंपरिक सेब की खेती के लिए जरूरी ठंडा मौसम लंबे समय तक उपलब्ध नहीं रहता। आमतौर पर सेब की पारंपरिक किस्मों को पर्याप्त ठंड और विशेष मौसमी परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इस कारण बिहार जैसे गर्म राज्यों में इसकी खेती को लेकर किसानों के मन में आशंकाएं रहती थीं। लेकिन अन्ना प्रजाति के प्रयोग ने इन संभावनाओं को नया रास्ता दिया है। इस किस्म के पौधे गर्म जलवायु में भी फल देने में सक्षम बताए जाते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इसे 40 से 50 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी उगाया जा सकता है। हालांकि, सफल उत्पादन के लिए पौधों की देखभाल, सिंचाई और स्थानीय मौसम के अनुसार कृषि प्रबंधन जरूरी है। मई-जून में ही तैयार होने लगते हैं फल पश्चिम चंपारण में उगाए जा रहे अन्ना प्रजाति के सेब की सबसे बड़ी विशेषता उनका जल्दी तैयार होना है। जहां हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में सेब की फसल सामान्यतः बाद के महीनों में बाजार में पहुंचती है, वहीं चंपारण में अन्ना किस्म के फल मई-जून से ही तैयार होने लगते हैं। इससे किसानों को बाजार में जल्दी उत्पाद पहुंचाने का अवसर मिलता है। कृषि कारोबार में समय का विशेष महत्व होता है। जब किसी फल की उपलब्धता सीमित होती है, तब उसकी मांग और बाजार कीमत बेहतर रहने की संभावना होती है। ऐसे में चंपारण के किसानों को दूसरे प्रमुख सेब उत्पादक राज्यों से पहले फल बेचने का फायदा मिल सकता है। हालांकि, वास्तविक मुनाफा उत्पादन लागत, फल की गुणवत्ता, बाजार की मांग और बिक्री व्यवस्था पर निर्भर करेगा। गर्म जलवायु में सेब की खेती बनी नई उम्मीद बिहार में सेब की खेती को लेकर पहले सबसे बड़ी चुनौती तापमान को माना जाता था। सेब की पारंपरिक किस्मों को ठंडे मौसम की जरूरत होती है। इस कारण राज्य के अधिकांश किसानों ने कभी इसे व्यावसायिक खेती के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन अन्ना प्रजाति के प्रयोग से यह सोच बदल रही है। पश्चिम चंपारण में इसकी खेती की संभावनाएं सामने आने के बाद किसानों के बीच भी इस फल को लेकर दिलचस्पी बढ़ सकती है। यदि स्थानीय जलवायु में इस किस्म का उत्पादन लगातार सफल रहता है तो भविष्य में बिहार के दूसरे जिलों में भी इसकी खेती का विस्तार किया जा सकता है। इससे किसानों को पारंपरिक फसलों के अलावा एक नया विकल्प मिल सकता है। किसानों की आमदनी बढ़ाने का बन सकता है जरिया किसानों के लिए सेब की खेती केवल एक नई फसल नहीं, बल्कि अतिरिक्त आय का अवसर भी बन सकती है। खासकर ऐसे क्षेत्रों में जहां परंपरागत खेती से सीमित आमदनी होती है, वहां फल उत्पादन का नया विकल्प आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। अन्ना प्रजाति के सेब जल्दी तैयार होने के कारण किसानों को बाजार में शुरूआती समय में बिक्री का अवसर मिल सकता है। यदि फल की गुणवत्ता अच्छी रहती है और बाजार तक पहुंचाने की उचित व्यवस्था होती है तो किसानों को बेहतर कीमत मिल सकती है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर फल की पैकिंग, परिवहन, भंडारण और बिक्री से जुड़े रोजगार के अवसर भी विकसित हो सकते हैं। खेती से पहले पौधों और जलवायु की जानकारी जरूरी हालांकि अन्ना प्रजाति गर्म इलाकों में सेब की खेती की संभावनाएं बढ़ाती है, लेकिन किसानों को इसकी खेती शुरू करने से पहले जरूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। फलदार पौधों की सफलता केवल तापमान पर निर्भर नहीं करती। मिट्टी की गुणवत्ता, पानी की उपलब्धता, पौधों की उचित दूरी, सिंचाई, खाद और रोग नियंत्रण जैसे कई कारक भी महत्वपूर्ण होते हैं। विशेष रूप से गर्मियों में पौधों को पर्याप्त नमी देना और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है। किसानों को बड़े स्तर पर बागान लगाने से पहले कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर सीमित क्षेत्र में परीक्षण करना चाहिए। इससे स्थानीय परिस्थितियों में किस्म की उपयुक्तता और उत्पादन क्षमता का बेहतर आकलन किया जा सकता है। बिहार में बागवानी के नए अवसर पश्चिम चंपारण में सेब की खेती की सफलता बिहार में बागवानी के क्षेत्र में नए अवसरों की ओर संकेत करती है। राज्य की जलवायु और मिट्टी के अनुसार उपयुक्त फलदार किस्मों का चयन करके किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। यदि अन्ना प्रजाति का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर सफल होता है तो बिहार को सेब के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है। इसके अलावा स्थानीय बाजारों में ताजे फल उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को भी फायदा मिल सकता है। हिमाचल-कश्मीर के अलावा बिहार में भी सेब की पहचान पश्चिम चंपारण में अन्ना प्रजाति के सेब की खेती ने यह दिखाया है कि आधुनिक कृषि तकनीक और उपयुक्त किस्मों के चयन से पारंपरिक खेती की सीमाओं को बदला जा सकता है। अब तक सेब उत्पादन के लिए पहाड़ी और ठंडे इलाकों को प्राथमिकता दी जाती रही है, लेकिन बिहार के गर्म क्षेत्र में इसकी खेती की संभावनाएं सामने आना किसानों के लिए उत्साहजनक है। मई-जून में फल तैयार होने और बाजार में जल्दी पहुंचने की संभावना इस खेती को खास बनाती है। यदि उत्पादन, गुणवत्ता और बाजार व्यवस्था लगातार बेहतर रहती है तो आने वाले समय में पश्चिम चंपारण सेब की खेती के एक नए केंद्र के रूप में पहचान बना सकता है। कुल मिलाकर, इजराइली अन्ना प्रजाति ने चंपारण के किसानों के सामने खेती का एक नया विकल्प खोला है। यह प्रयोग सफल और टिकाऊ साबित होता है तो बिहार के कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है।

काशी में मां अन्नपूर्णा को 511 क्विंटल महाभोग, एक साल के लिए पट बंद

वाराणसी। धर्म और आध्यात्मिकता की नगरी काशी में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। काशी विश्वनाथ धाम के समीप स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में इस अवसर पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मां अन्नपूर्णा के दरबार में छप्पन भोग के साथ कुल 511 क्विंटल व्यंजनों का महाभोग अर्पित किया गया। मंदिर में कच्चे और पक्के व्यंजनों से विशेष भोग तैयार किया गया था। इसमें 40 प्रकार की मिठाइयां और 20 तरह की नमकीन शामिल रहीं। इस बार सुरन के लड्डू ने विशेष आकर्षण बटोरा। 6 नवंबर से शुरू हुए स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के विशेष दर्शन का क्रम 10 नवंबर की देर रात महाआरती के साथ संपन्न हुआ। महंत शंकर पुरी ने विधि-विधान से मां की महाआरती की। इसके बाद मां के पट एक वर्ष के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर परिवार में सुख-समृद्धि, धन-धान्य और खुशहाली की कामना की। फैमिली ट्रिप बुक करें 511 क्विंटल व्यंजनों से सजा मां का दरबार अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर मां अन्नपूर्णा को विशाल महाभोग अर्पित किया गया। इस बार कुल 511 क्विंटल विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किए गए थे। मंदिर परिसर में भोग की भव्य व्यवस्था की गई थी। महाभोग में पारंपरिक पकवानों के साथ कई तरह की मिठाइयां और नमकीन शामिल थीं। कच्चे और पक्के दोनों प्रकार के व्यंजनों को मिलाकर यह विशाल भोग तैयार किया गया। इसमें 40 प्रकार की मिठाइयां और 20 तरह की नमकीन शामिल रहीं। विशेष रूप से तैयार किए गए सुरन के लड्डू इस बार के भोग का खास आकर्षण रहे। श्रद्धालुओं के बीच भी इस विशेष प्रसाद को लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दी। छप्पन भोग से किया गया मां का विशेष श्रृंगार अन्नकूट के दिन मंगलवार को मध्याह्न भोग आरती के दौरान मां अन्नपूर्णा को छप्पन भोग अर्पित किया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छप्पन भोग भगवान और देवी-देवताओं को समर्पित किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का विशेष प्रसाद होता है। मां अन्नपूर्णा को अन्न और भोजन की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। मान्यता है कि उनकी कृपा से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। फैमिली ट्रिप बुक करें



इसी आस्था के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने मां के चरणों में प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली और जीवन में कभी अन्न की कमी न होने की प्रार्थना की। 6 नवंबर से शुरू हुए थे स्वर्णमयी मां के विशेष दर्शन मां अन्नपूर्णा मंदिर में स्वर्णमयी प्रतिमा के विशेष दर्शन का सिलसिला 6 नवंबर से शुरू हुआ था। इन विशेष दर्शनों को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहा। काशी और आसपास के क्षेत्रों के अलावा दूसरे शहरों से भी बड़ी संख्या में भक्त मां के दर्शन के लिए पहुंचे। स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन को श्रद्धालु अत्यंत शुभ और पुण्यदायी मानते हैं। मंदिर में दर्शन के दौरान भक्तों ने मां के दिव्य स्वरूप का नमन किया और सुख, शांति, समृद्धि तथा परिवार की मंगलकामना की। फैमिली ट्रिप बुक करें विशेष दर्शन की अवधि पूरी होने के बाद 10 नवंबर की देर रात महाआरती का आयोजन किया गया। इसके साथ ही इस वर्ष के विशेष दर्शन का समापन हो गया। महंत शंकर पुरी ने की भव्य महाआरती विशेष दर्शन के अंतिम दिन मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ का विशेष आयोजन हुआ। देर रात महंत शंकर पुरी ने विधि-विधान से मां अन्नपूर्णा की महाआरती की। महाआरती के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मां की आरती में सहभागिता की और जयकारे लगाए। दीपों की रोशनी और धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। महाआरती संपन्न होने के बाद मां के पट एक वर्ष के लिए बंद कर दिए गए। अब श्रद्धालुओं को स्वर्णमयी मां के विशेष दर्शन के लिए अगले वर्ष तक इंतजार करना होगा। मां अन्नपूर्णा को माना जाता है अन्न और समृद्धि की देवी काशी में मां अन्नपूर्णा की विशेष धार्मिक मान्यता है। उन्हें माता पार्वती का स्वरूप और समस्त संसार को अन्न प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां अन्नपूर्णा की कृपा से संसार में अन्न और भोजन की व्यवस्था बनी रहती है। इसी वजह से उनके मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का विशेष महत्व है। अन्नकूट का अर्थ अन्न का पर्वत या अन्न का विशाल संग्रह माना जाता है। इस अवसर पर देवी-देवताओं को तरह-तरह के पकवानों का भोग लगाया जाता है। इसके बाद प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। काशी में इस परंपरा को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ निभाया जाता है। मां अन्नपूर्णा के दरबार में विशाल भोग की व्यवस्था इसी धार्मिक परंपरा का हिस्सा है। अन्नकूट महोत्सव में उमड़ी श्रद्धा और भक्ति अन्नकूट महोत्सव के दौरान मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए उत्साहित नजर आए। लोगों ने परिवार के साथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मां से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। फैमिली ट्रिप बुक करें महोत्सव के दौरान छप्पन भोग और 511 क्विंटल महाभोग की विशेष चर्चा रही। भक्तों के लिए यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि अन्न के प्रति सम्मान और जरूरतमंदों की सेवा का संदेश भी देता है। मां अन्नपूर्णा की पूजा के माध्यम से लोगों को भोजन का महत्व समझने और अन्न की बबार्दी रोकने की प्रेरणा मिलती है। एक वर्ष बाद फिर होंगे स्वर्णमयी मां के दर्शन 10 नवंबर की देर रात महाआरती के साथ स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के विशेष दर्शन का समापन हो गया। महंत शंकर पुरी की आरती के बाद मंदिर के पट एक वर्ष के लिए बंद कर दिए गए। इस वर्ष अन्नकूट महोत्सव में 511 क्विंटल महाभोग, छप्पन भोग और विशेष स्वर्णमयी दर्शन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। काशी में मां अन्नपूर्णा के दरबार में संपन्न हुआ यह आयोजन एक बार फिर अन्न, श्रद्धा और सेवा की धार्मिक परंपरा को जीवंत कर गया। अब भक्तों को अगले वर्ष होने वाले विशेष दर्शन का इंतजार रहेगा।

सब्जी की ठेली लगाने को लेकर विवाद, पिता के चेहरे पर चाकू से वार तो बेटे के चार दांत टूटे

;अलवरः राजस्थान के अलवर शहर के अखैपुरा थाना क्षेत्र में सब्जी की ठेली लगाने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित कुनाल वर्मा ने कुछ लोगों पर अपने पिता किशनलाल और उसके साथ मारपीट करने, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। कुनाल की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक, घटना 7 नवंबर 2026 की रात करीब 10 बजे अशोका टॉकीज के पास हुई। उसके पिता किशनलाल वहां सब्जी की ठेली लगाते थे। घटना के समय उसकी मां भी उनके साथ मौजूद थीं। रपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि हर्ष उर्फ लक्खा सरदार, हन्नी पंजाबी और उनके साथ आए तीन-चार अन्य युवकों ने लाठी और सरियों से सब्जी की ठेली तोड़नी शुरू कर दी। जब किशनलाल ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर उनके साथ जातिसूचक अपशब्दों का इस्तेमाल किया। आरोप है कि उनसे कहा गया कि वे सब्जी बेचकर उनका धर्म भ्रष्ट कर रहे हैं। पिता के चेहरे पर चाकू से वार, 14-15 टांके आए पीड़ित की शिकायत के अनुसार, विवाद के दौरान एक आरोपी ने किशनलाल के चेहरे पर चाकू से वार कर दिया। इससे उनका चेहरा कट गया। वहीं, अन्य युवकों ने लाठी और सरियों से उनके साथ मारपीट की। रिपोर्ट में बताया गया है



कि इस हमले में किशनलाल के चेहरे पर गंभीर चोट आई और उन्हें करीब 14 से 15 टांके लगवाने पड़े। घटना के बाद परिवार में डर और चिंता का माहौल बन गया। बेटे को जबरन उठाकर ले जाने का आरोप कुनाल ने अपनी शिकायत में बताया कि जब उसे पिता के साथ हुई घटना की जानकारी मिली तो वह अशोका टॉकीज के पास पहुंचा। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी दोबारा वहां आए और उसे जबरन उठाकर कोली मोहल्ले में ले गए।ल्लपीड़ित का आरोप है कि वहां उसके कपड़े उतारकर लाठी और सरियों से बेरहमी से मारपीट की गई। इसके बाद उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। कुनाल के मुताबिक, हर्ष उर्फ लक्खा सरदार और हन्नी पंजाबी ने उसके चेहरे पर सरिये से वार किया, जिससे उसके चार दांत टूट गए। मारपीट में उसके शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी चोटें आईं। कोर्ट परिसर में हमला पिता-पुत्र के रुपये निकालने का भी आरोप कुनाल ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान पिता-पुत्र के रुपये भी निकाल लिए। पीड़ित के अनुसार, इस पूरी घटना में उसके पिता और उसे गंभीर चोटें आई हैं। कुनाल वर्मा (22) पुत्र किशनलाल वर्मा, निवासी गायवाला मोहल्ला, बाग वाली बाखल, अलवर ने 9 नवंबर 2026 को अखैपुरा थाने में लिखित शिकायत दी। एससी-एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में मामला दर्ज पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस प्रकरण का अनुसंधान आरपीएस अधिकारी राजेश कसाना, सीओ नॉर्थ अलवर को सौंपा गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिता-पुत्र पर हमले, जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल और रुपये निकालने से जुड़े आरोपों की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अपनी बेटी की शादी में करेंगे शक्ति प्रदर्शन! 4 लाख मेहमान देखेंगे छोटे सरकार का जलवा

बिहार की राजनीति में जब भी बाहुबली अंदाज, रसूख और दबंगई की चर्चा होती है, तो मोकामा के छोटे सरकार यानी अनंत सिंह का नाम अपने आप सामने आ जाता है। लेकिन इस बार अनंत सिंह किसी चुनावी अखाड़े या राजनीतिक बयानबाजी को लेकर नहीं, बल्कि अपनी बेटी की शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। शादी भी ऐसी कि इंतजाम देखकर बड़े-बड़े रईसों की आंखें चौंधिया जाएं। चार लाख मेहमानों के स्वागत की तैयारी, करोड़ों की लग्जरी गाड़ियां, कई एकड़ में फैला शादी का पंडाल, 150 से ज्यादा तरह के पकवान और घुड़दौड़ में विजेता को इनाम के तौर पर रवश! यानी अनंत सिंह ने साफ कर दिया है कि बेटी की शादी है तो आयोजन भी छोटे सरकार के अंदाज में ही होगा।

दरअसल, अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी सिंह की शादी 25 नवंबर को पटना के बिहटा स्थित कृष्णानगर निवासी ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित से होने जा रही है। दूल्हे ऋषिकेश के पिता रणविजय कुमार कमांडेंट हैं। ऋषिकेश ने टइअ की पढ़ाई की है और करीब 11 साल अमेरिका में भी रह चुके हैं। लेकिन इस शादी में सबसे ज्यादा चर्चा दूल्हे की शैक्षणिक योग्यता या विदेश में रहने की नहीं, बल्कि उस शाही तोहफे की हो रही है, जो अनंत सिंह ने अपनी बेटी के लिए चुना है। दूल्हे के लिए करीब ढाई से तीन करोड़ रुपये कीमत वाली लैंड रोवर डिफेंडर मंगाई गई है। वहीं, परिवार के छोटे बेटे अभिनव के लिए लगभग एक करोड़ रुपये की इटह की व्यवस्था की गई है। अभिनव का जनेऊ संस्कार भी शादी के साथ ही संपन्न होगा।

अब जरा शादी के आयोजन का आकार समझिए। पटना के लदमा गांव में दस बीघे से ज्यादा जमीन पर शादी का विशाल आयोजन तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा करीब 12 बीघे में घुड़दौड़ प्रतियोगिता के लिए अलग मैदान बनाया जा रहा है। शादी में आने वाले मेहमानों की संख्या लगभग चार लाख तक पहुंचने का अनुमान है। यानी किसी छोटे शहर की आबादी के बराबर लोगों के स्वागत और भोजन का इंतजाम एक ही शादी में किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के मऊ से कारीगर बुलाए गए हैं। जयमाला के लिए लगभग 30 फुट ऊंचा भव्य मंच तैयार किया जा रहा है। सजावट के फूल चीन और



बेंगलुरु से मंगाए जा रहे हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से सजावटी सामान पहुंच रहा है।

लेकिन अनंत सिंह के यहां शादी का मतलब केवल बारात, जयमाला और दावत तक सीमित नहीं है।

यहां तो मेहमानों के मनोरंजन के लिए भी पूरा इंतजाम है। 25 नवंबर को दोपहर दो बजे से चार बजे तक घुड़दौड़ प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा समेत कई राज्यों के घुड़सवार हिस्सा लेने पहुंचेंगे। प्रतियोगिता जीतने वाले को रवश दी जाएगी, जबकि दूसरे स्थान पर आने वाले को मोटरसाइकिल और तीसरे स्थान पर रहने वाले को स्कूटर मिलेगा। यानी घोड़े दौड़ेंगे, मुकाबला होगा और विजेता खाली हाथ नहीं लौटेगा।साथ ही खाने-पीने का इंतजाम भी इस शादी को खास बनाने वाला है। मेहमानों के लिए 150 से ज्यादा तरह के पकवान तैयार किए जाएंगे। इसमें बिहार के पारंपरिक व्यंजनों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों के स्वाद भी शामिल होंगे। मिठाइयों में काजू कतली और नालंदा की मशहूर सिलाव खाजा भी परोसा जाएगा। सिलाव खाजा अपनी 52 परतों वाली खास बनावट के लिए जाना जाता है।

इसके अलावा बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्म जगत के कलाकारों, गायकों और दुबई से छह मॉडल को भी समारोह से जोड़ने की तैयारी है।

अब इस शादी की राजनीतिक और सामाजिक मेहमाननवाजी का अंदाज देखिए। अनंत सिंह ने निमंत्रण का दायरा बिहार तक सीमित नहीं रखा है। उनका कहना है कि भारत ही नहीं, पाकिस्तान में रहने वाले उनके दोस्त और शुभचिंतक भी आमंत्रित हैं। उनकी नजर में शादी के मौके पर कोई सत्तापक्ष या विपक्ष नहीं होता। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव तक को निमंत्रण देने की बात कही गई है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को निमंत्रण दिया जा चुका है। फिल्म अभिनेता सोनू सूद, मनोज तिवारी, पवन सिंह, अक्षरा सिंह और लोकगायिका मैथिली ठाकुर समेत कई चर्चित चेहरों को भी बुलाया गया है।

गौर करने वाली बात यह भी है कि यह भव्य आयोजन ऐसे समय हो रहा है, जब अनंत सिंह की राजनीतिक स्थिति में उथल-पुथल मची हुई है।

जनता दल यूनाइटेड ने उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है और दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें चार दिसंबर तक आत्मसमर्पण करना है। यानी एक तरफ कानूनी और राजनीतिक चुनौतियां हैं, तो दूसरी तरफ परिवार में बेटी की शादी को यादगार बनाने की तैयारियां पूरे जोर पर हैं।

बरगढ़ रेलवे स्टेशन के पास २१ ग्राम ब्राउन शुगर जब्त, पांच गिरफ्तार



रेलवे लाइन किनारे चल रहा था नशे का कारोबार, पुलिस ने एक स्कूटी और १० हजार रुपये जब्त किए

बरगढ़। बरगढ़ शहर में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ टाउन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सोमवार सुबह करीब 9 बजे बरगढ़ रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे लाइन किनारे स्थित एक खाली मैदान में छापेमारी कर पुलिस ने 21 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की। मौके से एक स्कूटी और 10 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ ए.बी. शिल्पा के निर्देश पर पुलिस टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी की। वहां ब्राउन शुगर की खरीद–बिक्री किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर मौजूद पांच लोगों को पकड़कर तलाशी ली, जिसमें 21 ग्राम ब्राउन शुगर सहित अन्य सामान बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुभाष नगर निवासी मोहम्मद अनवर (27), डैम कॉलोनी निवासी चेतन दास (29), सोहेला थाना क्षेत्र के कनगांव निवासी शुभम आचार्य (23), बरगढ़ बिशीपाड़ा निवासी राघव नायक (30) तथा कंकियापाड़ा निवासी अमित मल्लिक (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21(बी)ध्29 के तहत मामला दर्ज किया है। पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कार से गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

बारीपदा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बारीपदा के भंजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध कार का पीछा कर गांजे की बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, कार से करीब डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार और नकदी भी जब्त की है। घटना के बाद पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, भंजपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार के जरिए गांजे की बड़ी खेप दूसरे स्थान पर पहुंचाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम सक्रिय हो गई और संदिग्ध वाहन की तलाश शुरू कर दी।

कन्याश्रम में बंदरों के हमले की घटना पर प्रशासन और वन विभाग सक्रिय, ट्रैंगुलाइज करने की तैयारी



बामड़ा। बामडा वाइल्डलाइफ डिवीजन जमनकीरा रेंज अंतर्गत टिकिलीपाड़ा कन्याश्रम एवं सेवाश्रम विद्यालय परिसर में गत २ नवंबर को बंदरों के हिंसक हमले की घटना के बाद अब प्रशासन और वन विभाग हरकत में आ गया है। बंदरों के अचानक हमले में कन्याश्रम की मैट्रन और कई छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

इस घटना के बाद भयभीत छात्रावास की छात्राएं अपने–अपने घर लौट गई थीं। पिछले डेढ़ महीने से अधिक समय से बंदरों का उत्पात जारी रहने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी थी।इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए आज प्रशासन, वन विभाग, पशु चिकित्सकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की एक आपातकालीन समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्पाती बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए दो चरणों में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

निर्णय के अनुसार, पहले चरण में विद्यालय परिसर और पंचायत कार्यालय परिसर में लोहे के पिंजरे लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से बंदरों को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।

यदि पिंजरे की मदद से उन्हें पकड़ना संभव नहीं हुआ, तो दूसरे चरण में पशु चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की टीम की सहायता से ट्रैंकुलाइजर इंजेक्शन देकर उन्हें बेहोश किया जाएगा। इसके बाद बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर दूर जंगल में छोड़ने की योजना बनाई गई है।बताया गया है कि बामड़ा वाइल्डलाइफ डीएफओ विक्रमदेव पटनायक के निर्देश पर गठित विशेष टीम जल्द ही इस अभियान को शुरू करेगी। प्रशासन और वन विभाग की इस त्वरित पहल से विद्यालय एवं कन्याश्रम परिसर में जल्द ही शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण बहाल होने की उम्मीद जगी है। अभिभावकों और ग्रामीणों ने भी इस पहल पर राहत जताई है।

बलांगीर रामचरितमानस मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई गोवर्धन पूजा



बलांगीर। बलांगीर के डेली मार्केट स्थित श्री रामचरितमानस मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोवर्धन पूजा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भव्य रूप से मनाई गई।

इस अवसर पर भगवान गोवर्धन की विधिवत पूजा–अर्चना की गई तथा अन्नकूट का भोग अर्पित कर प्रसाद सभी श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम में रामचरितमानस मंदिर कमेटी के समस्त सदस्य एवं उनके परिवार के सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। साथ ही मारवाड़ी समाज के अनेक परिवारों के सदस्य एवं पदाधिकारी भी शामिल हुए। पूरे आयोजन में भक्तिमय माहौल बना रहा।

साधपड़ा जंगल में पेड़ से टकराई पिकअप, चालक समेत दो गंभीर



बामड़ा। बामड़ा–कुचिंडा मुख्य मार्ग पर स्थित साधपड़ा जंगल के पास एक पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुचिंडा ब्लॉक के उलुंडा गांव निवासी चालक दिलीप साहू अपने साथी प्रकाश लमगा के साथ पिकअप गाड़ी से उकुंडा से गुरला धान लाने जा रहे थे। इसी दौरान साधपड़ा जंगल के पास अचानक चालक की आंख लग गई, जिससे गाड़ी पर से उसका नियंत्रण हट गया और पिकअप सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।हादसे में चालक दिलीप साहू और प्रकाश लमगा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को गोविंदपुर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बुर्ला रेफर कर दिया गया।

शराब दुकान में दो पक्षों के बीच मारपीट और हंगामा

बामड़ा। कोचिंडा अनुमंडल के बामड़ा ब्लॉक अंतर्गत गड़पोष स्थित विदेशी शराब दुकान में सोमवार देर शाम को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और हंगामा हुआ। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, गोविंदपुर पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को गड़पोष स्थित विदेशी शराब दुकान में एक युवक हंगामा करते हुए शोर–शराबा कर रहा था। इस पर दुकान संचालक ने उसे ऐसा करने से मना करते हुए फटकार लगाई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया।बताया जाता है कि कुछ देर बाद शराब दुकान संचालक और युवक, दोनों पक्षों की ओर से अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा होने लगा। घटना से मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई।सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना प्रभारी पद्मालया साहू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। बाद में दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत के जरिए समझौता हो जाने की भी जानकारी मिली है।

दीपावली बंधु मिलन में मेघावी विद्यार्थी, समाजसेवी, उद्योगपति एंव गो सेवकों को किया गया सम्मानित



बलांगीर (पवन अग्रवाल)। उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बलांगीर शाखा की ओर से सोमवार को संबलपुर रोड स्थित तारा दरबार में दीपावली बंधु मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा, समाजसेवा, उद्योग एवं पशुसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों के साथ समाजसेवियों, उद्योगपतियों तथा गो–सेवा एवं पशु–सेवा से जुड़े लोगों का भी सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने परिवार सहित भाग लिया। सम्मान समारोह के साथ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, अग्रभोज एवं विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। वर्ष 2026 में 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं अन्य विशेष परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वहीं समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने वाले समाजसेवियों, उद्योग जगत में अपनी पहचान बनाने वाले उद्यमियों तथा निस्वार्थ भाव से गोवंश एवं अन्य पशुओं की सेवा करने वाले सेवाभावी लोगों को भी सम्मान प्रदान किया गया।

शाखा अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल एवं महासचिव श्री कन्हैया लाल अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल (अन्नू) सहित शाखा के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की सहभागिता रही।

एकता महोत्सव: आरएसपी द्वारा १० जनवरी को भव्य सांस्कृतिक स्ट्रीट कार्निवल का आयोजन

राउरकेला ।राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) एक बार फिर पिछले वर्ष मिली शानदार सफलता के बाद, राउरकेला के नागरिकों के मनोरंजन एवं उत्साहवर्धन के लिए 'एकता महोत्सव' नामक भव्य सांस्कृतिक स्ट्रीट कार्निवल का आयोजन करने जा रहा है। यह मेगा आयोजन 10 जनवरी 2027 (रविवार) को प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक गुंडिचा मंदिर चौक से सेक्टर–4 मधुबन चौक तक के मार्ग पर आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 'एकता महोत्सव' आगामी राउरकेला हाफ मैराथन–2027 के द्वितीय संस्करण के प्रचार अभियान के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जो 24 जनवरी 2027 को निर्धारित है।

'रन फॉर प्रॉस्पेरिटी' ('समृद्धि के लिए दौड़') विषय पर आधारित इस हाफ मैराथन का उद्देश्य एकता एवं समावेशिता की भावना को बढ़ावा देना तथा राउरकेला एवं इसके आसपास के परिधीय गांवों के प्रतिभागियों को एक मंच पर लाना है। 'एकता महोत्सव' का उद्देश्य राउरकेला हाफ मैराथन के प्रति जन उत्साह का संचार करने के साथ–साथ सामुदायिक सहभागिता, स्वस्थ जीवनशैली और सांस्कृतिक सद्भाव को प्रोत्साहित करना है। इस महोत्सव में विभिन्न विधाओं की नृत्य प्रस्तुतियां, लघु नाटक, फैंसी ड्रेस प्रदर्शन, योग सत्र, जुंबा, कराओके गायन, रंगोली कला, चित्रकला प्रदर्शनी, लाइव आर्ट प्रदर्शन, हस्तशिल्प स्टॉल और सेल्फी जोन सहित अनेक आकर्षक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष कार्निवल का दायरा बढ़ाते हुए कबड्डी मैच, स्ट्रीट बैडमिंटन और तीरंदाजी जैसी खेल गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। उत्सव के माहौल को और आनंदमय बनाने के लिए फूड कॉर्नर में गर्मागर्म चाय–कॉफी के साथ विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध होंगे, जिससे सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए यह एक संपूर्ण पारिवारिक अनुभव बनेगा। वर्ष 2026 के आयोजन की शानदार सफलता को आगे बढ़ाते हुए, जिसमें 700 से अधिक बच्चों सहित 1,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, इस वर्ष के कार्निवल में व्यक्तियों एवं संगठनों, दोनों के लिए पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है।

दशहरा और दीवाली में भी नही मिला शिक्षकों को वेतन

संबलपुर जिले के १२०० से अधिक शिक्षक प्रभावित, जिला परियोजना कार्यालय की कार्यशैली पर उठे सवाल

बामडा। त्योहारों का मौसम बीत गया, लेकिन संबलपुर जिले के सैकड़ों शिक्षकों के खाते में वेतन नहीं पहुंचा। दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान भी वेतन नहीं मिलने से एक्स–कैडर शिक्षक, गणशिक्षक, कनिष्ठ शिक्षक और अंशकालिक शिक्षक आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी को लेकर शिक्षकों में भारी नाराजगी है।जानकारी के अनुसार, एक्स–कैडर शिक्षकों को सितंबर महीने का वेतन ३० अक्टूबर को मिला था, जबकि कनिष्ठ शिक्षकों, गणशिक्षकों और अंशकालिक शिक्षकों को अक्टूबर महीने का वेतन भी अब तक नहीं मिल पाया है। त्योहारों को देखते हुए राज्य सरकार ने अग्रिम वेतन देने की घोषणा की थी, लेकिन संबलपुर जिले में सरकारी घोषणा का लाभ शिक्षकों को नहीं मिल सका।इस संबंध में एक्स–कैडर एवं गणशिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पृषेठ ने जिला शिक्षा अधिकारी का ध्यान कई बार इस समस्या की ओर आकृष्ट कराया। बार–बार चर्चा और अनुरोध के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। नतीजतन, शिक्षकों को दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार भी बिना वेतन के मनाने पड़े।जिला अध्यक्ष का आरोप है कि राज्य सरकार अक्टूबर महीने के वेतन के लिए आवश्यक राशि जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय को पहले ही उपलब्ध करा चुकी है। इसके बावजूद संबलपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों को अब तक आवश्यक राशि जारी नहीं की गई है। वहीं, पड़ोसी जिलों में अक्टूबर महीने का वेतन शिक्षकों को मिल चुका है। ऐसे में संबलपुर जिले में ही भुगतान में देरी क्यों हो रही है, यह बड़ा सवाल है।संघ के अनुसार, प्रत्येक प्रखंड कार्यालय शिक्षकों के वेतन के लिए आवश्यक राशि की मांग जिला परियोजना कार्यालय को भेजता है।

जिला परियोजना कार्यालय राज्य परियोजना निदेशक से राशि आवंटित करने का अनुरोध करता है। राज्य सरकार साल में दो से तीन किस्तों में जिला परियोजना कार्यालय को राशि उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद प्रखंडों को समय पर राशि जारी नहीं किए जाने से वेतन भुगतान में महीनों की देरी हो रही है।इतना ही नहीं, जिला परियोजना कार्यालय में लंबे समय तक राशि जमा रहने के कारण बैंक ब्याज के लेन–देन को लेकर भी संदेह जताया गया है। संघ के जिला अध्यक्ष ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।संघ के अनुमान के मुताबिक, जिले में लगभग ७५० गणशिक्षक एवं एक्स–कैडर शिक्षकों सहित कुल १२०० से अधिक शिक्षक वेतन भुगतान में हो रही देरी से प्रभावित हैं। प्रत्येक महीने इस तरह की अनियमितता से शिक्षकों के पारिवारिक और आर्थिक जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।संघ ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, वेतन राशि प्रखंडों को जारी करने में हो रही देरी का कारण स्पष्ट करने तथा दोषियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। साथ ही प्रत्येक महीने की पहली तारीख को शिक्षकों के खाते में नियमित रूप से वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है।

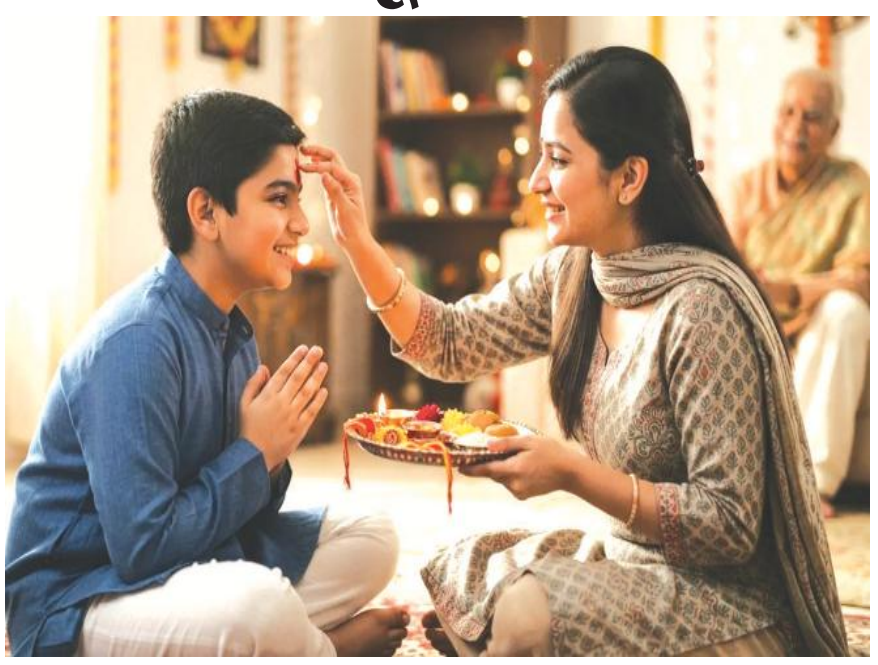
राजू हाथी के संक्रमण पर वन विभाग ने कहा-संक्रमण नहीं, मस्त अवस्था के कारण शरीर में हो रहा हार्मोनल बदलाव



बामड़ा। बामड़ा वाइल्डलाइफ डिवीजन के अंतर्गत रंगबती बिलुंग गांव में विचरण कर रहे चर्चित हाथी राजू के स्वास्थ्य को लेकर इन दिनों चर्चा तेज है। ग्रामीणों ने राजू के कान और पेट के आसपास संक्रमण जैसे लक्षण दिखाई देने की आशंका जताई थी। इस संबंध में सोशल मीडिया पर भी चिंता जाहिर करते हुए उसके तत्काल उपचार की मांग की गई। मामला वायरल होने के बाद वन विभाग ने सामने आकर पूरे मामले पर स्पष्टीकरण दिया है। विभाग के अनुसार, राजू के शरीर में किसी प्रकार का संक्रमण नहीं है, बल्कि यह उसकी मस्त अवस्था के दौरान होने वाली सामान्य हार्मोनल प्रक्रिया है।जानकारी के अनुसार, रंगबती बिलुंग गांव में राजू हाथी के विचरण के दौरान ग्रामीणों ने उसके कान और पेट के आसपास कुछ असामान्य लक्षण देखे थे। इसे संक्रमण समझकर ग्रामीणों ने चिंता जताई। जराबगा गांव के जागरूक नागरिक अरुण पटेल ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राजू के स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की और उसके शीघ्र उपचार की मांग करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की थी। देखते ही देखते यह पोस्ट वायरल हो गई और हाथी के स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं।इस पर बामड़ा रेंजर दीपक महानंद ने स्पष्ट किया कि राजू हाथी पूरी तरह वन विभाग की निगरानी में है। विभागीय कर्मचारी 24 घंटे उस पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब कोई नर हाथी मादा हाथी के साथ प्रजनन के लिए इच्छुक होता है, तब उसके शरीर में हार्मोनल बदलाव होते हैं और शरीर के विभिन्न हिस्सों से विशेष प्रकार का स्राव निकलता है। इस दौरान हाथी काफी उत्तेजित अवस्था में रहता है। यह कोई संक्रमण नहीं, बल्कि प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है।वहीं, बामड़ा डीएफओ विक्रम देव पटनायक ने बताया कि कुचिंडा उपखंड के पशु चिकित्सा अधिकारियों की एक टीम ने राजू के स्वास्थ्य की जांच की थी। जांच के दौरान उसके शरीर में किसी प्रकार का संक्रमण नहीं पाया गया। पशु चिकित्सकों ने भी इसे हाथी की मस्त अवस्था से जुड़ी सामान्य हार्मोनल प्रक्रिया बताया है।

वन विभाग ने लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। मस्त अवस्था में नर हाथी काफी उत्तेजित और आक्रामक हो सकता है। ऐसे समय में उसके द्वारा इंसानों पर हमला किए जाने की आशंका भी रहती है। इसलिए राजू के नजदीक जाने, उसे घेरने या उसके आसपास भीड़ लगाने से बचने की अपील की गई है। हालांकि, विभाग की बार–बार चेतावनी के बावजूद उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ कम नहीं हो रही है।वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि राजू के स्वास्थ्य को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें और विभागीय निर्देशों का पालन करें। वन्यजीव की सुरक्षा के साथ–साथ आम लोगों की जान–माल की सुरक्षा भी बेहद जरूरी है।

भाई दूज आज



एक ही परिवार के हत्याकांड मामले में सभी 7 शव बरामद, आरोपी दामाद से पूछताछ जारी

बेंगलुरुः एक ही परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में कर्नाटक पुलिस ने सभी सात शव बरामद कर लिए हैं। अब जांच का मुख्य फोकस हत्याकांड के पीछे की वजह का पता लगाने पर है। मामले के आरोपी इंदुशेखर से पूछताछ मंगलवार से और तेज की जाएगी। यह पूछताछ पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) नेमा गौड़ा की प्रत्यक्ष निगरानी में होगी। बेंगलुरु लाए गए आरोपी इंदुशेखर ने शुरूआती पूछताछ में बताया है कि अपनी पत्नी और उसके परिवार द्वारा मानसिक प्रताड़ना और संपत्ति से जुड़े विवादों के कारण उसने ये हत्याएं कीं। हालांकि, पुलिस को शक है कि इस अपराध के पीछे कुछ और मकसद भी हो सकते हैं, इसलिए वे और जानकारी जुटाने के लिए उसके बयानों की दोबारा जांच कर रहे हैं। पुलिस की टीमों ने आरोपी को साथ लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों में तलाशी अभियान चलाया, ताकि शवों को बरामद किया जा सके। पीड़ितों का पता लगाने और जरूरी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के लिए पुलिस ने लगातार चार दिन-रात काम किया, जिसके बाद सभी सात शव बरामद कर लिए गए। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया और अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर सोमवार को पुलिस की एक टीम हसन और मंगलुरु जिलों के बीच फैले शिरादी घाट के घने जंगलों में पहुंची और वहां से उसके साले शंकर और साली नलिनी के शव बरामद किए। इससे पहले पुलिस पांच शव बरामद कर चुकी थी, जिनमें एक 10 साल के बच्चे का शव भी शामिल था। तमिलनाडु के सलेम के पास इंदुशेखर की पत्नी सुनीता और सास रूपावती के शव मिले। मैसूर में चामुंडी हिल्स के पास, सड़क किनारे गहरी खाइयों में दो अलग-अलग जगहों से उसके साले शिवकुमार और साली दिव्या के शव बरामद किए गए। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में नंदी हिल्स के पास 10 साल के पुनीत (जो शंकर का बेटा था) का शव मिला। चामुंडी हिल्स में एक शव सड़क के किनारे मिला, जबकि दूसरा एक गहरी खाई में गिरा हुआ था। दोनों शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इन हत्याओं के सिलसिले में राजाजीनगर पुलिस ने इंदुशेखर उर्फ सेकर को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान उसकी पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, साली दिव्या और नलिनी तथा पुनीत के रूप में हुई है। माना जा रहा है कि ये हत्याएं 14 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच लगभग 20 दिनों के दौरान की गईं। जांचकताओं को शक है कि आरोपी ने अपनी पत्नी के रिश्तेदारों को पारिवारिक मिलन के बहाने राजाजीनगर-भाष्यम सर्कल इलाके में स्थित अपने घर बुलाया, फिर उनकी हत्या कर दी और शवों को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। पुलिस जांच के तहत उसकी 17 साल की बेटी से भी पूछताछ कर रही है और उसके बयानों की पुष्टि कर रही है जांचकर्ता इन हत्याओं के पीछे के असली मकसद का पता लगाने और आरोपी के दावों की पुष्टि करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओडिशा सरकार ने ओआरएस अधिकारी की सेवा समाप्त की

भुवनेश्वरः एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, ओडिशा सरकार ने मंगलवार को एक परिवीक्षाधीन ओडिशा राजस्व सेवा (ओआरएस) अधिकारी की सेवाएं समाप्त कर दीं, जिन्हें कथित तौर पर 7,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बालासोर जिले के बलियापाल में उप-रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत मनीषा मिश्रा को 7 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके एक दिन बाद सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने कथित तौर पर उन्हें अपने कार्यालय में एक शिकायतकर्ता से अवैध रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सामान्य प्रशासन (सतर्कता) विभाग द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट की जांच करने और उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता पर विचार करने के बाद यह निर्णय लिया गया। आदेश में कहा गया है, ₹...विभाग इस बात से संतुष्ट है कि सेवा में उनका आगे बने रहना सार्वजनिक हित के लिए अत्यधिक हानिकारक है।₹ मिश्रा 2024 में सरकारी सेवा में शामिल हुईं और गिरफ्तारी के समय वह परिवीक्षा से गुजर रही थीं। आदेश में अवैध परितोषण की कथित स्वीकृति को भ्रष्टाचार का गंभीर उदाहरण, घोर कदाचार और ओडिशा सरकारी सेवक आचरण नियम, 1959 का उल्लंघन बताया गया है।

दिल्ली पुलिस ने करोल बाग में युवक की हत्या के मामले में कुणाल और पीयूष को पकड़ा

मध्य दिल्ली के करोल बाग इलाके में 19 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कुणाल की पत्नी और मृतक लगभग तीन महीने से साथ रह रहे थे, जिससे उपजी रंजिश के कारण यह वारदात हुई। जांच टीम ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त चाकू और एक स्कूटर भी बरामद किया है।दिल्ली पुलिस ने पत्नी के कथित प्रेमी की हत्या करने के आरोप में 28 वर्षीय व्यक्ति और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मध्य दिल्ली के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) प्रशांत चौधरी ने यहां पत्रकारों को बताया कि 0आरोपियों की पहचान कुणाल उर्फ मुकरी (28) और पीयूष उर्फ मेंटल (22) के तौर पर हुई है।उन्होंने बताया कि 19 वर्षीय पीड़ित और कुणाल की पत्नी लगभग तीन महीने से एक साथ रह रहे थे, जिसके कारण आरोपी और पीड़ित के बीच रंजिश दुश्मनी हो गई थी और हत्या का कारण भी यही है।

झारखंड ज्वेलरी दुकानों में लूट की साजिश नाकाम

रांचीः चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र में पुलिस ने लूट की एक बड़ी वारदात को अंजाम देने से पहले ही नाकाम कर दिया है। पुलिस ने ज्वेलरी दुकानों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे दो आरोपियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 9 एमएम की एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, दो खोखे और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में संभावित लूट की बड़ी घटना टल गई है। पुलिस के अनुसार, एसपी अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंदा थाना क्षेत्र के एकता गांव में कुछ अपराधी अवैध हथियार लेकर घूम रहे हैं और किसी बड़ी लूट की घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। अपराधियों के निशाने पर क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानें थीं। वे लगातार रेकी कर रहे थे और मौका मिलते ही लूटपाट की योजना बना रहे थे। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर कुंदा थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी शुरू की और संदिग्ध लोगों पर नजर रखनी शुरू कर दी।

अंतरराज्यीय अवैध दवा सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़, क्राइम ब्रांच ने चार आरोपी दबोचे

. नई दिल्लीः दिल्ली के आर.के. पुरम स्थित क्राइम ब्रांच की एनडीआर (नारकोटिक्स ड्रग्स सेल) टीम ने एक अंतरराज्यीय अवैध दवा सप्लाई नेटवर्क का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 14.226 किलोग्राम अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल युक्त प्रतिबंधित दवाएं (कुल 21,180 गोलियां) बरामद की गईं। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को अपने एक आधिकारिक बयान में बताया कि यह ऑपरेशन एक एफआईआर के तहत चलाया गया, जो नई दिल्ली स्थित क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। इस ऑपरेशन के दौरान दिल्ली के विभिन्न इलाकों में संदिग्धों को पकड़ा गया और कई जगहों पर छापेमारी की गई। दर्ज एफआईआर और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम को दिल्ली और आसपास के इलाकों में नशीली दवाओं (साइकोट्रोपिक पदार्थों) की अवैध खरीद, परिवहन, भंडारण और वितरण पर रोक लगाने का काम सौंपा गया था। इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में सब इंस्पेक्टर अशोक, सौरभ, प्रमोद और यतेंद्र मलिक; असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विकास और कमल तथा हेड कांस्टेबल रविंदर, संजय, दिनेश, संदीप, राहुल, संजू, सुखबीर, नहानजी और भाग सिंह शामिल थे। यह पूरी कार्रवाई क्राइम ब्रांच के एसीपी/एनडीआर, उमेश बर्थवाल की सीधी देखरेख में संपन्न हुई। सूत्रों से मिले इनपुट के आधार पर टीम ने कई अभियान चलाए। इसके परिणामस्वरूप चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान मुनेश कुमार गुप्ता, अखिलेश मिश्रा, वीरेंद्र कुमार उर्फ ??'हीरो' और राजेश्वर पांडे उर्फ ??'गोपाल' के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि 31 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली के निगम बोध घाट के पास दो व्यक्तियों को रोका। ये लोग एक



मोटरसाइकिल पर दो कार्डबोर्ड के डिब्बों में दवाइयां ले जा रहे थे। संदिग्धों की पहचान मुनेश कुमार गुप्ता (44) और अखिलेश मिश्रा (46 वर्ष) के रूप में हुई। तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान उनके पास से 734 स्ट्रिप्स मिलीं, जिनमें कुल 16,380 अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल की गोलियां/कैप्सूल थे। इनका कुल वजन लगभग 10.626 किलोग्राम था। अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया और 1 नवंबर 2026 को एफआईआर दर्ज की गई। मुनेश कुमार गुप्ता और अखिलेश मिश्रा के बयानों के आधार पर टीम ने दिल्ली के मादीपुर में छापा मारा और वीरेंद्र कुमार उर्फ ??हीरो (48) को पकड़ा। उसे बरामद की गई दवाओं का मुख्य सप्लायर माना गया है। पकड़े जाने के समय वह सुजुकी एक्सेस स्कूटर पर 180 स्ट्रिप्स में पैक किए गए 4,320 ट्रामाडोल कैप्सूल ले जा रहा था, जिनका वजन लगभग 3.240 किलोग्राम था। प्रतिबंधित सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल किए गए स्कूटर को भी मौके पर ही जब्त कर लिया गया। आगे की जांच में इस सप्लाई चेन से जुड़े एक और अहम व्यक्ति, राजेश्वर पांडे उर्फ 'गोपाल' (34) को गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच और दिल्ली सरकार के ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने मिलकर दिल्ली के मादीपुर गांव में स्थित उसकी दुकान पर संयुक्त छापेमारी की। तलाशी के दौरान एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत 480 ट्रामाडोल कैप्सूल वाली 20 स्ट्रिप्स बरामद की गईं और जब्त कर ली गईं। इनका वजन लगभग 360 ग्राम था। इसके अलावा, 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के तहत ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने दवाओं का एक बड़ा कमर्शियल स्टॉक जब्त किया, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं था। इसमें 31 अलग-अलग श्रेणियों की दवाएं शामिल थीं, जैसे टैबलेट, कैप्सूल, सिरप और सस्पेंशन। आरोपी इस स्टॉक को कानूनी तरीके से खरीदने या अपने पास रखने के लिए कोई वैध ड्रग लाइसेंस या खरीद बिल पेश नहीं कर सके। आगे की जांच में पता चला कि मुनेश कुमार गुप्ता स्थानीय क्लीनिकों और डॉक्टरों को दवाइयां सप्लाई करने का काम करता था। पूछताछ के दौरान मुनेश ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से सह आरोपी अखिलेश मिश्रा के साथ मिलकर बिना किसी वैध कानूनी अनुमति के अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल जैसी दवाइयां मंगाने और सप्लाई करने का काम कर रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि ये दवाइयां वीरेंद्र कुमार उर्फ ??'हीरो' के जरिए आती थीं। अखिलेश मिश्रा, मुनेश कुमार गुप्ता के साथ मिलकर दवाओं के वितरण का काम करता था। वे बिना किसी वैध खरीद-बिक्री रिकॉर्ड के प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक पदार्थों को अवैध रूप से मंगाने और सप्लाई करने में शामिल था। वीरेंद्र कुमार कई वर्षों से केमिस्टों और क्लीनिकों को बिना अनुमति के प्रतिबंधित दवाइयां सप्लाई कर रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि उन्होंने मुनेश कुमार गुप्ता और दिल्ली के अन्य लोगों को ऐसी दवाइयों की बड़ी खेप सप्लाई की थी। यह पहले भी हरियाणा के ताराओरी पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में शामिल रहा है। राजेश्वर पांडे मादीपुर में एक मेडिकल स्टोर चलाता था। आरोप है कि राजेश्वर बिना किसी वैध ड्रग लाइसेंस या खरीद इनवॉइस के दिल्ली भर के विभिन्न क्लीनिकों और लोगों को अवैध रूप से प्रतिबंधित दवाइयां सप्लाई कर रहा था। क्राइम ब्रांच की ओर से इस अवैध दवा आपूर्ति नेटवर्क के आगे-पीछे के कनेक्शन का पता लगाने और इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

घर में सोए किसान की धारदार हथियार से हत्या, पत्नी लापता



पलामूः झारखंड के पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र में अपने घर के अंदर सो रहे एक किसान की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। वारदात के बाद से मृतक की पत्नी रहस्यमय तरीके से गायब है। मृतक की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के दूब गांव निवासी गुणी भुइयां के रूप में हुई है, जो खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। सोमवार की देर रात करीब 12 बजे के बाद परिजनों ने पुलिस को फोन पर इस घटना की सूचना दी। पुलिस की शुरूआती छानबीन में पता चला है कि जिस वक्त गुणी भुइयां की हत्या की गई, उस समय मृतक के दोनों बेटे घर के अंदर ही मौजूद थे। घर के भीतर परिजनों की मौजूदगी के बावजूद इस तरह की वारदात होने से ग्रामीणों की सुई अपनों की तरफ ही घूम रही है। शुरूआती संदेह के आधार पर लोगों का मानना है कि इस हत्या के पीछे किसी अपने या करीबी का ही हाथ हो सकता है, इस हत्याकांड का सबसे बड़ा और उलझा हुआ पहलू मृतक की पत्नी का फरार होना है। घटना के बाद से ही वह घर से गायब है। पुलिस अब इस एंगल पर भी गहराई से तफ्तीश कर रही है कि क्या इस खौफनाक वारदात में पत्नी खुद शामिल है, या फिर वह किसी डर के साए में घर छोड़कर भागी है? पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस हर संभावित एंगल से मामले की बारीकी से जांच कर रही है। परिवार के सभी सदस्यों और आसपास के लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह वारदात किसी पारिवारिक रंजिश का नतीजा है या इसके पीछे कोई अन्य साजिश छिपी है। पुलिस ने मंगलवार सुबह शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया है।

जिस घर में जल रहे थे खुशियों के दीये, वहां पटाखे के धमाके के बाद पसरा मातम

मेरठः उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में दिवाली की रात रविवार को पटाखे के तेज धमाके से डरे छह वर्षीय मासूम हर्ष की घर के अंदर भागते समय गिरकर मौत हो गई. शिव शक्ति नगर निवासी प्रिंटिंग प्रेस कर्मी नीरज का बेटा हर्ष घर के दरवाजे पर खड़ा था, तभी पड़ोस में एक युवक द्वारा छुटाए गए पटाखे की भीषण आवाज से वह सहम गया. डर के मारे अंदर भागते हुए संतुलन बिगड़ने से वह गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट आई. परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोमवार को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के शिव शक्ति नगर में दिवाली की रात हर्ष अपने घर के दरवाजे पर खड़ा त्योहार का माहौल



देख रहा था. इसी बीच पड़ोस में रहने वाला एक युवक पटाखे चला रहा था. अचानक एक पटाखा बहुत तेज आवाज के साथ फटा, जिससे छह साल का हर्ष बुरी तरह डर गया. दहशत में वह जान बचाने के लिए घर के अंदर की तरफ भागा, लेकिन बदहवासी में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह जोर से फर्श पर गिर पड़ा. गिरने से हर्ष के सिर में गंभीर चोट लगी थी. बदहवास परिजन उसे तुरंत आनन-फानन में एक निजी अस्पताल लेकर भागे. अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उसे भर्ती कर बचाने के तमाम प्रयास किए और उपचार शुरू किया. लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था, गंभीर रूप से घायल मासूम ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. हर्ष की मौत की खबर मिलते ही पिता नीरज और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. जिस घर में अभी दिवाली की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां अब सिर्फ मातम का सन्नाटा पसरा है.

शादी के बाद पत्नी का पढ़ना और नौकरी करना उसका अधिकार, पति की मेहरबानी नहीं : हाईकोर्ट

रांची- झारखंड हाईकोर्ट ने कहा है कि शादी के बाद पत्नी का उच्च शिक्षा हासिल करना और नौकरी करना उसका अधिकार है, न कि पति की मेहरबानी। पत्नी की पढ़ाई या नौकरी करने की इच्छा को महत्वाकांक्षा अथवा जरूरत से ज्यादा महत्वाकांक्षा बताना लैंगिक भेदभाव वाली सोच है। पति और पत्नी विवाह में बराबर के साझेदार हैं। दोनों में न कोई श्रेष्ठ है और न कोई अधीनस्थ।मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने जमशेदपुर की रेणुका की ओर से दायर प्रथम अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने पति की ओर से मानसिक और शारीरिक क्रूरता किए जाने के आधार पर पत्नी को तलाक की मंजूरी दे दी। साथ ही फैमिली कोर्ट, जमशेदपुर के उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें 16 मार्च 2019 को पत्नी की तलाक याचिका खारिज कर दी गई थी।हाईकोर्ट में अपील के दौरान पत्नी की ओर से पेश साक्ष्यों पर विचार किया गया। पत्नी ने फैमिली कोर्ट में खुद गवाही दी थी। उसके पिता अलख राम और पड़ोसी पंकज कुमार सिंह ने भी उसके आरोपों की पुष्टि की थी। इसके बावजूद पति ने न तो कोई गवाह पेश किया और न ही पत्नी तथा उसके गवाहों से प्रभावी जिरह की।

विष्णु के पातीः दूसरों की मदद के लिए आगे आए नीरज, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पत्र लिखकर बढ़ाया हौसला

रायपुरः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के समाजसेवी नीरज गुप्ता के सेवाभावी कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें व्यक्तिगत पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भेजे अपने स्नेहपूर्ण पत्र में जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों की सहायता, निःशुल्क भोजन व्यवस्था तथा गौसेवा के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की है छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भेजे पत्र में लिखा है कि नीरज ने अपने पिता स्वर्गीय सुरेश चंद गुप्ता के उपचार के दौरान जो कठिनाइयां महसूस कीं, उन्हीं अनुभवों से उन्हें दूसरे जरूरतमंद परिवारों की मदद करने की प्रेरणा मिली। ीरज अस्पताल में अपने परिजनों के स्वस्थ होने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए प्रतिदिन निःशुल्क भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं। इससे इलाज की चिंता में परेशान परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने कामकाज के बीच दूसरों की जरूरतों के लिए समय निकालना और उनकी परेशानी को अपनी चिंता समझना बहुत अच्छी बात है। नीरज दूरदराज से इलाज कराने रायपुर



विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
Vishnu Deo Sai
Chief Minister

प्रिय भाई नीरज जी,

आने वाले परिवारों के लिए निःशुल्क रहने और भोजन की व्यवस्था करने का भी प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनजान शहर में इलाज कराने पहुंचे किसी व्यक्ति को अगर ठहरने और भोजन का सहारा मिल जाए, तो वह निश्चिंत होकर अपने बीमार परिजन की देखभाल कर सकता है। ा नीरज जरूरतमंद लोगों की सहायता के साथ गौसेवा से भी जुड़े हैं। वे पशुओं को पर्याप्त चारा उपलब्ध कराने और उन्हें कचरा तथा पॉलीथिन खाने से बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उनके इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि परिवार से मिले अच्छे संस्कार और युवा साथियों का सहयोग उनके सेवाकार्यों को मजबूती दे रहा है। आप मेरी शुभकामनाएं उन साथियों तक भी पहुंचाएं जो आपके साथ हाथ बंटा रहें हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के साथ प्रदेश विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नीरज जैसे लोगों के सेवाभावी प्रयास समाज में सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करते हैं।छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड मुख्यमंत्री ने नीरज की माताजी चंद्रकला गुप्ता को सादर प्रणाम करते हुए भावना, श्रेया तथा पार्थ सहित पूरे परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नीरज के स्वस्थ रहने और इसी तरह जरूरतमंद लोगों की सहायता करते रहने की कामना की।

ऊत्कल मेल प्रकाशनी प्रा. लि. की ओर से पीतवास मिश्र, द्वारा महावीर प्रिटर्स, प्लाट नं. 493, गोविंद प्रसाद, सारथी माकेट कॉम्प्लेक्स, बमीखाल, भुवनेश्वर-10 मैं मुद्रित व प्रकाशित. प्रधान संपादक - रीता मिश्र, संपादक - डॉ पीतवास मिश्र, प्रबंध संपादक- मनस्विनी मिश्र,, संपादकीय कार्यालयः प्लाट नं. 493, गोविंद प्रसाद, सारथी माकेट कॉम्प्लेक्स, बमीखाल, भुवनेश्वर-10, ओड़िशा, मोबाइल नं.- 9437042623 E-mail- utkalmailnews@gmail.com, utkalmaildelhi@gmail.com